पौष शुक्ल पक्ष - 10, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 177 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
30 दिसंबर 2025 मंगलवार

आज का मौसम
27.2 अधिकतम
5.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दिग्विजय सिंह के सिर्फ दो वाक्यों पर इतने सवाल और इतना बवाल क्यों?

दिग्विजय सिंह के एक्स पर पोस्ट किए गए पांच वाक्यों में मात्र 45 शब्द और एक फोटो ऐसा था जिस पर बवाल मच गया। आखिर इस बवाल की वजह क्या है? कांग्रेस के भीतर और बाहर से इतने सवाल क्यों उठ रहे हैं? उन्होंने जो कहा वह कांग्रेस के लिए आत्मचिंतन की मांग करता है। आत्म निरीक्षण की सलाह देता है। दिग्विजय ने बरसों बाद ही सही पर मौजूदा दौर में कांग्रेस के पुनुरूत्थान की ही तो बात कही है। उनके बयान के मर्म को सिर्फ कांग्रेस के बड़े नेताओं में सिर्फ पार्टी के प्रबुद्ध नेता शशि थरूर ने ही समझा है। गांधी परिवार के भक्त कांग्रेसी इसे पार्टी विरोधी बता रहे हैं तो भाजपा के नेता कैलाश विजयवर्गीय ने सच्चाई को बयां करने के उनके साहस की तारीफ की है। सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तो उन्हें भाजपा में आने का न्यौता तक दे डाला है। जबकि सच्चाई यही है कि दिग्विजय सिंह अपने जीवन में कभी भी भाजपा में जाने या अपनी पार्टी बनाने की सोच भी नहीं सकते। सवाल यही है कि क्या उन्होंने पार्टी हित में अपनी बात रखने का भी हक नहीं जो लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाता हो? दिग्विजय सिंह ने कुर्सी पर बैठे आडवाणी के चरणों में बैठे नरेंद्र मोदी की फोटो के साथ बस एक पोस्ट ही तो डाला था । इस पोस्ट में छिपी उनकी मंशा की गलत तरीके से व्याख्या करके गांधी परिवार के भक्त के कई भक्त नेता उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने की बात कह रहे हैं लेकिन उनके मंतव्य को शशि थरूर के सिवाए कोई भी सही तरीके से समझने को कोई तैयार नहीं हैं। दिग्विजय सिंह ने क्या कहा, यदि इसे समझने की कोशिश कांग्रेसी करें तो उनकी टिप्पणी कांग्रेस पार्टी और उसकी विचारधारा के पोषण या उस पर वापस लौटने की कोशिश कही जा सकती है। उन्होंने एक्स पर आडवाणी और मोदी की फोटो के साथ कहा - 'क्योरा साइट पर मुझे यह चित्र मिला । बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयं सेवक व जनसंघ का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। जय सिया राम। ' अब अगर इसे सही संदर्भों में समझा जाए तो उन्होंने सीधे तौर पर एक परिवार के शिकंजे में कैद कांग्रेस को पार्टी की गांधीवादी विचारधारा पर लौटने का इशारा किया है। साथ ही गांधी के विचार को छोडक़र काल मार्क्स के विचारों की तरफ बढऩे से हो रहे नुकसान से पार्टी आलाकमान को आगाह किया है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी , राहुल गांधी के सबसे करीबी सलाहकारों में से एक जयराम रमेश के साथ ही नरेंद्र मोदी को भी टैग किया है। उन्होंने जो फोटो पोस्ट की है उसमें नरेंद्र मोदी जमीन पर बैठे दिख रहे हैं और उनके ठीक पीछे उनके राजनीतिक गुरू रहे लालकृष्ण आडवाणी के साथ केशुभाई पटेल के अलावा पीछे की कुर्सी पर आनंदी बेन पटेल और प्रमोद महाजन भी दिख रहे हैं। संकेतों में दिग्विजय सिंह ने यही तो कहा है कि कांग्रेस को भी यदि भाजपा से मुकाबला करना है तो उसे भी अपने कार्यकर्ताओं को इसी तरह मौके देना पड़ेंगे। उनके इस मंतव्य को समझे बगैर यह टिप्पणी, गांधी परिवार की भक्ति में तल्लीन और राहुल गांधी को घेरकर बैठी उनकी हर सही गलत बात पर हां में हां मिलाने वालों को चुभी है। जबकि यह बात दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ने जैसी है कि राहुल के दिलोदिमाग को उनके चमचों ने हाईजैक कर लिया है। उन्होंने अपने हितों को साधने के लिए गांधी वादी विचारधारा वाली पार्टी को गांधी परिवार की पार्टी बना दिया है। गांधीवाद को मार्क्सवाद की विचारधारी की तरफ मोड़ दिया है जिसे न सिर्फ भारतीय जनमानस बल्कि विश्व के कई देशों ने नकार दिया है। 1925 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बनी और इसी साल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ बना। सौ साल इस बात के गवाह हैं कि आरएसएस ने राष्ट्रवाद के रास्ते पर चलकर अपने अनुषांगिक संगठन को किस ऊंचाई पर पहुंचा दिया। दूसरी ओर आयातित विदेशी कम्युनिस्ट विचारधारा वाली देश से परे हटकर सोचने- विचारने वाली पार्टी गर्त में पहुंच गई । अब यही विचारधारा भारत की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के कंधों पर सवार होकर उसे भी अपने ही हश्र की तरफ ले जा रही है। दुनिया में सफलता का एक ही मूलमंत्र है। कोई आपका विरोधी भी हो तो भी समझदार शख्स दूसरों (विरोधियों) की अच्छाइयों को अपनाता है और खुद की बुराइयों से निजात पाने की कोशिश करता है। दुर्भाग्य से कांग्रेस में उल्टा हो रहा है। **(जारी)**

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

बेन मैपिंग ऑफ दिग्विजय सिंह - पार्ट 1

न्यूज विंडो

यात्री की पिटाई करने वाला पायलट गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक हवाई यात्री को उसी की 7 साल की बेटी के सामने पीटने के आरोपी पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को एयरपोर्ट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि जमानती धारा होने के कारण कार्रवाई पूरी होने के बाद पायलट को थाने से ही जमानत दे दी गई। जानकारी के मुताबिक मारपीट करने वाले आरोपी पायलट के खिलाफ एयरपोर्ट थाना मामला दर्ज किया गया था। मामले की शिकायत पीड़ित हवाई यात्री अंकित दीवान ने दर्ज कराई थी जिसमें बताया था कि एयर इंडिया एक्सप्रेस के ऑफ ड्यूटी पायलट ने उनके साथ पिटाई की थी। इस मारपीट में उनकी नाक की हड्डी टूट गई थी।

इंदौर में डायरिया से बुजुर्ग की मौत, 150 बीमार

इंदौर, एजेंसी। इंदौर के भागीरथपुरा बस्ती में बीते पांच दिन से उल्टी और दस्त की शिकायत लेकर आने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है।

मंगलवार को भी कुछ लोग अस्पताल पहुंचे। वहीं इलाज के लिए भर्ती एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। उल्टी और दस्त के कारण उसे कमजोरी आ गई थी। सुबह कुछ मरीजों को परदेशीपुरा के अस्पताल से छुट्टी भी हो गई है। दूषित पेयजल की आशंका के चलते नगर निगम ने टैंकरों से मंगलवार को बस्ती में जलापूर्ति की। अफसरों ने भी बस्ती का दौरा किया है। बस्ती से पानी के जो नमूने लिए हैं, उनकी रिपोर्ट मंगलवार को आएगी।
पांच दिन में डेढ़ सौ से ज्यादा लोग बीमार हुए हैं। फिलहाल 15 लोग अलग-अलग अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें उल्टी दस्त और कमजोरी की शिकायत है। इस घटना को लेकर स्वास्थ्य विभाग भी देरी से जागा।

ध्रुव-एनजी हेलिकॉप्टर ने भरी पहली सफल उड़ान

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के एयरोस्पेस हब बेंगलुरु के आसमान में आज एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी कि हेल के नेक्स्ट जेनरेशन हेलिकॉप्टर 'ध्रुव-एनजी' ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की। यह उड़ान हेल को सिर्फ सैन्य हेलिकॉप्टर बनाने वाली कंपनी की छवि से बाहर निकालकर वैश्विक नागरिक उड्डयन बाजार में मजबूत खिलाड़ी बनाने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। इस मौके पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू भी मौजूद थे।

आज का कार्टून

इंडिगो-एयर इंडिया के लिए स्टाफ को रोकना बड़ी चुनौती

एयरलाइंस में पायलटों के लिए घमासान मिल रहे 50 लाख ज्वाइनिंग बोनस के ऑफर

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडिगो संकट का एयरलाइंस मार्केट की नौकरियों पर भी तगड़ा असर पड़ा है। एयरलाइन कंपनियों के लिए जारी किए गए नए सेफ्टी नियम के बाद जो भगदड़ मची है, उससे आगे बचने के लिए बजट एयरलाइन इंडिगो और एयर इंडिया ग्रुप के बीच कैप्टन की भर्तियों को लेकर घमासान के हालात हैं। इंडिगो की जनवरी में ही 100 पायलटों को शामिल करने की योजना है। इस बीच एयर इंडिया ने पहले ही और एविएटर्स को लाने के लिए विज्ञापन जारी कर दिए हैं। हालांकि, दोनों एयरलाइंस को बड़ी संख्या में कैप्टन के इस्तीफे का भी सामना करना पड़ रहा है, जिनमें से कुछ तो दोनों कंपनियों के बीच ही नौकरियां बदल रहे हैं। कुछ पायलट विदेशी एयरलाइंस में शामिल होने के लिए भी नौकरियां छोड़ रहे हैं। उन्हें 50 लाख तक के ज्वांइन बोनस ऑफर किये जा रहे हैं।

एक घरेलू एयलाइंस के सीनियर अधिकारी ने सवाल किया कि हमें कैप्टन कहां से मिलेंगे? नए नियमों के तहत अनुभवी पायलटों की कमी हो जाएगी। एक सीनियर एयरलाइन अधिकारी ने कहा कि एक-दूसरे के पायलटों को तोड़ने का काम बहुत होगा। एक सीनियर पायलट ने बताया कि इंडिगो ने अनुभवी पायलटों को जॉइनिंग बोनस दिया था ताकि वे उस एयरलाइन को बॉन्ड पेमेंट कर सकें, जिससे वे इस्तीफा दे रहे थे। पायलट ने कहा यह बोनस 15 लाख से 25 लाख के बीच था, जो उस समय 5 लाख से 15 लाख के बॉन्ड को कवर करने के लिए था। एयर इंडिया ग्रुप और इंडिगो के बीच कैप्टन के लिए जो होड़ देखने को मिल रही है उसमे कई पायलटों को विदेशी कंपनियों से आकर्षक ऑफर के कॉल आ रहे हैं।

प्रबंधन को स्टाफ से बेहतर करने होंगे संबंध

एयर इंडिया और इंडिगो के पूर्व वाइस-प्रेसिडेंट कैप्टन शक्ति लुंबा ने कहा कि इंडिगो को टैलेंट को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए पायलट-मैनेजमेंट संबंधों को बेहतर बनाना होगा। अकासा को ज्यादा पायलटों की जरूरत नहीं है, क्योंकि उसके पास काफी ज्यादा पायलट हैं। एयर इंडिया और इंडिगो जब तक बेहतर काम करने की स्थिति नहीं देते, तब तक वे मिडिल ईस्ट और वियतनाम जैसे दूसरे बाजारों में पायलटों के जाने को रोक नहीं पाएंगे।

सैलरी में किया है इजाफा

इंडिगो ने अगले महीने से कुछ मौजूदा अलाउंस बढ़ाकर और नए अलाउंस शुरू करके पायलटों की सैलरी में थोड़ा इजाफा किया है। इस बीच, एयर इंडिया एक बड़ा कदम उठाने की योजना बना रही है, जिसके जनवरी के पहले हफ्ते में होने की उम्मीद है। इसकी डिटेल्स एयरलाइन के अंदर एक राज बनी हुई है। एयर इंडिया ग्रुप और इंडिगो दोनों के पायलट मुख्य रूप से खराब वर्किंग कंडीशन और सैलरी स्ट्रक्चर से नाखुश हैं, जो महंगाई के हिसाब से नहीं बढ़े हैं।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया का निधन

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की राजनीति में एक युग का पटाक्षेप हो गया। संघर्ष, सत्ता और साहस की प्रतीक रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया का 80 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। पार्टी ने लिखा कि बांग्लादेश की अनुभवी नेता का कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद निधन हो गया। पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, खालिदा जिया ने सुबह करीब 6 बजे ढाका के एवरकेयर अस्पताल में अंतिम सांस ली। बता दें कि खालिदा जिया पिछले 36 दिनों से अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें 23 नवंबर को दिल और फेफड़ों में संक्रमण के बाद भर्ती कराया था।

शर्मीली हाउसवाइफ से पहली महिला पीएम तक का सफर : पेज 8

रजनीगंधा पाउच में एमडी ड्रग्स की बिक्री

नीमच, एजेंसी

पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये तस्कर पुलिस को चकमा देने के लिए पान मसाले के पाउच में एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स मिलाकर बेच रहे थे।पुलिस ने इनके पास से 36 ग्राम एमडी ड्रग्स और रजनीगंधा के पाउच जब्त किए हैं, जिनकी कीमत लगभग 3 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सचिन बैरागी नाम का युवक मनासा नाका और कॉलेज क्षेत्र के पास ड्रग्स की सप्लाई कर रहा है। पुलिस ने घेराबंदी कर सचिन को पकड़ा, तो उसकी तलाशी में एमडी ड्रग्स और पान मसाले के पैकेट मिले। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह पैकेट के अंदर ड्रग्स भरकर युवाओं तक पहुंचाता था।

अयोध्या के राम मंदिर की प्रतिकृति

भोपाल। अयोध्या में निर्मित राम मंदिर के तिथि अनुसार 2 वर्ष पूर्ण होने पर यहां मालवीय नगर में मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई है। इस अवसर पर पूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधायक रामेश्वर शर्मा शामिल हुए।

मुंबई के भांडुप में बस ने 13 को कुचला

4 लोगों की मौत, रिवर्स करते समय हादसा, ड्राइवर हिरासत में

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के भांडुप में रेलवे स्टेशन के बाहर सोमवार देर रात एक बस ने 13 पैदल यात्रियों को कुचल दिया। हादसे में 3 महिला सहित 4 लोगों की मौत हो गई। 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि हादसा रात 9:35 बजे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) की बस से हुआ। जानकारी के अनुसार, बेस्ट की बस रिवर्स करते समय बेकाबू हो गई और सड़क पर चल रहे लोगों को चपेट में ले लिया।। हादसे के बाद बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। घटना के बाद एम्बुलेंस, मुंबई फायर ब्रिगेड और बेस्ट की टीम मौके पर पहुंची। पीड़ितों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से राजावाड़ी और एम.टी. अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बस ने एक बिजली के खंभे को भी टक्कर मारी, जिससे वह गिर गया।

रामनगर जा रही बस खाई में गिरी, 7 मृत

भिकियासैंण (अल्मोड़ा)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत विनायक के पास सैलापानी के समीप एक यात्री बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 7 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस रामनगर की ओर जा रही थी। सैलापानी के पास अचानक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। अब तक पांच शवों को घटनास्थल से बाहर निकाला जा चुका है, जबकि 2 अन्य मृतक की पुष्टि बाद में हुई है। मृतकों की पहचान और पते का पता लगाने का कार्य प्रशासन द्वारा किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर | सात साल की रिलेशनशिप के बाद सगाई की तैयारी, राजस्थान में हो सकता है निजी आयोजन

दिल्ली की फोटोग्राफर अवीवा बेग बनेंगी प्रियंका गांधी की बहू

नईदिल्ली, एजेंसी

देश की सियासत में ताकतवर माने जाने वाले गांधी परिवार में अब शादी की शहनाई बजने जा रही है। कांग्रेस महासचिव और केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान जल्द ही शादी के बंधन में बंधेंगे। रेहान अपनी गर्लफ्रेंड अवीवा बेग के साथ जल्द ही सगाई करने जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक रेहान वाड्रा और अवीवा पिछले सात साल से इस रिलेशनशिप में हैं। रेहान ने हाल ही में अवीवा को शादी के लिए प्रपोज किया। इस शादी के लिए दोनों ही परिवारों ने अपनी सहमति दे दी है। वाड्रा परिवार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक रेहान की ओर से शादी के प्रस्ताव को अवीवा ने खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया। नए साल से पहले इस खुशहाल रिश्ते की औपचारिक शुरुआत होने जा रही है। सूत्रों की मानें तो सगाई समारोह राजस्थान में हो सकता हो, जो दो से तीन दिन का एक निजी आयोजन होगा। हालांकि, सगाई की तारीखें अभी सामने नहीं आई हैं। दोनों ही परिवारों ने रेहान-अवीवा की सगाई पर आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अवीवा बेग का परिवार दिल्ली का ही रहने वाला है। गौरतलब है कि 24 साल के रेहान वाड्रा इंस्टॉलेशन और विजुअल आर्टिस्ट हैं। 'डार्क परसेप्शन' नाम से सोलो एग्जीबिशन कर चुके रेहान नेचर फोटोग्राफी और ट्रैवलिंग में दिलचस्पी रखते हैं। कला और फोटोग्राफी के प्रति झुकाव रखने वाले रेहान राजनीति और लाइमलाइट से दूर रहते हैं। विजुअल आर्टिस्ट रेहान वाड्रा ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली में ही करने के बाद देहरादून और लंदन से आगे की पढ़ाई की है। सार्वजनिक आयोजनों में कम नजर आने वाले रेहान राजनीति में आएंगे भी या नहीं, इसे लेकर भी अभी कुछ स्पष्ट नहीं है।

गर्लफ्रेंड अवीवा के साथ रेहान

नेशनल फुटबॉलर भी रही है अवीवा

बता दें कि अवीवा बेग के परिवार की गिनती वाड्रा परिवार के करीबियों में होती है। अवीवा ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली से ही करने के बाद मीडिया कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म में भी डिग्री हासिल की है। अवीवा बेग भी रेहान की तरह ही फोटोग्राफी में रुचि रखती हैं और फोटोग्राफर हैं। अवीवा बेग नेशनल लेवल फुटबॉलर रही हैं और वह एक पेशेवर फोटोग्राफर और प्रोड्यूसर हैं। 'यू कैन नॉट मिस दिस' और 'द इल्यूजरी वर्ल्ड' जैसी प्रदर्शनी से चर्चित हुईं अवीवा की तस्वीरें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पोर्टल्स पर भी प्रकाशित हो चुकी हैं। अवीवा बेग भी रेहान की ही तरह नेचर फोटोग्राफी में रुचि रखती हैं।

टाइगर स्टेट में ही संकट में टाइगर, एमपी में इस साल 55 बाघों की मौत, मुख्यमंत्री ने मांगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार द्वारा बाघ संरक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद मध्य प्रदेश में इस वर्ष अब तक 55 बाघों की मौत दर्ज की गई है। इनमें से 36 मामलों में शिकार की आशंका जताई जा रही है। देश के 'टाइगर स्टेट' में इतनी बड़ी संख्या में बाघों की मौत ने वन्यजीव संरक्षण और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग के अधिकारी इन मौतों को स्वाभाविक बताते हुए यह तर्क दे रहे हैं कि बाघ शावकों का सर्वाइवल रेट 50 प्रतिशत से भी कम होता है। उनका यह भी कहना है कि प्रदेश में मौतों की तुलना में बाघों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। हालांकि, यह तर्क मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संतुष्ट नहीं कर पाया है। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

शिकार की आशंका: दरअसल, मध्य प्रदेश में बाघों की लगातार हो रही मौतें अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुकी हैं। विशेष रूप से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और उससे सटे इलाकों में बाघों के शिकार की आशंका जताई जा रही है। इसको देखते हुए वन विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है और मैदानी अमले को पूर्व के आदतन शिकारियों के संबंध में जानकारी एकत्र करने के निर्देश दिए हैं।

वन विभाग सवालों में घिरा: मध्य प्रदेश के वन बल प्रमुख वीएन अम्बाडे भी लगातार बाघों की मौतों पर सवाल उठाते रहे हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार वन अधिकारियों पर कार्रवाई हो सकती है। संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए कई बाघों की मौत को पहले हादसा या प्राकृतिक कारण बताया गया, लेकिन अब इन्हें शिकार से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछली बाघ गणना के अनुसार प्रदेश में 785 बाघ मौजूद हैं। आगामी वन्यजीव गणना में यह संख्या और बढ़ने का अनुमान है। इसके बावजूद बाघों की लगातार हो रही मौतों को लेकर वन बल प्रमुख वीएन अम्बाडे ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अब केवल पत्राचार नहीं होगा, बल्कि लापरवाह और जिम्मेदार अधिकारियों पर सीधे कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बाघों का सर्वाइवल रेट 50 प्रतिशत से भी कम होता है। रही शिकार की बात तो इसकी आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता। हमने हाई अलर्ट जारी किया है। शिकारियों की धरपकड़ भी की जा रही है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय शिकारियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

145 करोड़ की योजना को मिली मंजूरी

वन क्षेत्रों के आसपास मानव आवागमन को नियंत्रित करने और मानव-बाघ द्वंद्व को रोकने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने इस वर्ष 145 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। यह योजना वित्तीय वर्ष 2025-26, 2026-27 और 2027-28 में लागू की जाएगी। यह फैसला प्रदेश में बाघों की संख्या में हुई तेज वृद्धि को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या 526 थी, जो हाल के वर्षों में बढ़कर 785 हो गई है। जानकारी के अनुसार बाघों का सर्वाइवल रेट 50 प्रतिशत से भी कम रहता है और शिकार की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि हाई अलर्ट जारी कर शिकारियों की धरपकड़ की जा रही है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय शिकारियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

भोज वेटलैंड में दिखा दुर्लभ 'मर्लिन फाल्कन' पक्षी

सबसे छोटे और फुर्तीले शिकारियों में शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के भोज वेटलैंड (बड़ा तालाब) में दुनिया के सबसे छोटे और अत्यंत फुर्तीले शिकारी पक्षियों में शुमार 'मर्लिन फाल्कन' (मर्लिन बाज़) को पहली बार देखा गया है। पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार, आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर यह न केवल भोपाल, बल्कि संपूर्ण मध्य प्रदेश में इस दुर्लभ पक्षी की पहली 'साइटिंग' (उपस्थिति) है। विशेषज्ञों ने कैमरे में किया कैद इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह पक्षी प्रेमी अरुण त्यागी, जगदीश जटिया और शैलेंद्र बड़ोनिया बने। बर्डिंग के दौरान उन्होंने इस दुर्लभ बाज को न केवल करीब से देखा, बल्कि इसके स्पष्ट फोटोग्राफ भी लिए। मध्य प्रदेश के पक्षी डेटाबेस में मर्लिन फाल्कन की पहली आधिकारिक एंट्री होने से वन्यजीव प्रेमियों और बर्डिंग समुदाय में जबरदस्त उत्साह है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पक्षी का भोपाल आना यहां के पारिस्थितिकी तंत्र (इकोलॉजी) के स्वस्थ होने का प्रमाण है।

अतिक्रमण के कारण लगता है जाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रॉयल मार्केट से एलबीएस हॉस्पिटल जाने वाला रोड पर ठेले वालों ने अतिक्रमण कर रखा है, जिससे हमेशा ट्रैफिक जाम होता है।

45 साल बाद याद किए स्कूल के दिन, फिर दोस्ती का किया वादा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नवयुवक सभा की शिक्षण संस्थाओं के पूर्व छात्रों ने 45 साल बाद अपने स्कूली दिनों को याद किया और जीवन और करियर की यादें को ताजा किया। मौका था एलुमनाई मीट का, जिसमें अनंदराम टी. शाहानी , किशनचंद टी. शाहानी, सिंधू माध्यमिक विद्यालय स्कूलों के वर्ष 1980-1994 बैच छात्र और शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूल के दिनों की यादें, संघर्ष, उपलब्धियां और जीवन के अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम में शामिल पूर्व छात्रों ने कहा कि किस तरह स्कूल में मिले संस्कार, अनुशासन और शिक्षा ने न केवल उनके व्यक्तित्व को संवारा, बल्कि उन्हें अपने-अपने करियर में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अतिथि डॉ पवन मिश्रा डीएस कॉमर्स डिपार्टमेंट बीयू, डॉ बी के मिश्रा पूर्व प्राचार्य के.टी शाहानी, डॉ एके सिंह प्राचार्य साधू वासवानी कॉलेज, वासदेव वाधवानी अध्यक्ष नव युवक सभा, उपाध्यक्ष महेश दयारामानी, सचिव सुरेश राजपाल, विमला हिंगोरानी पूर्व प्राचार्य अनंदराम टी शाहानी मौजूद रहे। इस अवसर पनर 50 शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई भावुक और खुशहाल क्षण कैमरे में कैद किए गए। समूह फोटो और सेल्फी के साथ यह आयोजन सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया। एलुमनाई मीट के आयोजक दिनेश वाधवानी, विजय टेकवानी और राजा इसरानी ने कहा, जीवन में स्कूली जीवन समय के साथ बहुत पीछे छूट जाता है। सहपाठी एक-दूसरे मुलाकात भी नहीं कर पाते। यह आयोजन सालों पुरानें दिनों में ले जाने की कोशिश थी।

नवयुवक सभा के पूर्व शिक्षक-छात्र मिले एलुमनाई मीट

बोर रेस का आमंत्रण दिया विधायक को

हिरदाराम नगर. कन्छेदीलाल केवटजी की स्मृति में होने वाली विधायक बोट रेस का आमंत्रण विधायक रामेश्वर शर्मा को दिया। आयोजक रामू केवट ने रेस का आतिथ्य स्वीकार करने का आग्रह किया। बता दे बोट रेस का यह आयोजन 3 जनवरी को प्रातः 10 बजे, संतनगर में बेहटा घाट पर होगी, जिसमें नौका टीमें हिस्सा लेंगी।

'समर्थ गुरु साधना केंद्र' का शुभारंभ

भोपाल। अवधपुरी में समर्थगुरुधारा के तत्वावधान में 'समर्थ गुरु साधना केंद्र' का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह का सबसे विशेष आकर्षण गुरुदेव के 'दिव्य रॉब' का अनावरण रहा। केंद्र के शुभारंभ के साथ ही आचार्य मां सीमा, आचार्य श्रीकांत, आचार्य मां श्रेया के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय 'सुरति योग' कार्यक्रम का भी आगाज हुआ। यह कार्यक्रम साधकों को 'ओंकार श्रवण' के साथ एकात्म सिखाकर के समाधि की दिव्य अनुभूतियों का अनुभव कराने की समर्थगुरु द्वारा रचित एक अनूठी विधि है। राज्य संयोजक (मध्य प्रदेश) आचार्य मां आनंद असीमा ने कहा कि, 'हर व्यक्ति शांत, स्वस्थ और आनंदपूर्ण जीवन की कामना करता है। साधना इसी दिशा में हमारी छिपी संभावनाओं को जगाने का मार्ग है।

'दुष्यंत : कल आज और कल' पर वैचारिक सत्र का आयोजन

दुष्यंत किसी पंथ या विचारधारा से कभी नहीं जुड़े - आलोक त्यागी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दुष्यन्त कुमार के बेटे गज़लकार आलोक त्यागी ने कहा कि दुष्यंत कभी किसी पंथ से नहीं जुड़े और न उन्होंने किसी विचारधारा से जुड़कर लिखा। वे तो आम आदमी के कवि थे इसलिए आज आम आदमी उनके साथ खड़ा और उनकी रचनाओं से जुड़ा है। आलोक, दुष्यंत संग्रहालय के स्थापना पर्व 2025 पर आयोजित दुष्यंत कुमार की 50वीं पुण्यतिथि के वैचारिक सत्र 'दुष्यंतः कल आज और कल' विषय पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम के पूर्व मंचस्थ अतिथियों ने माँ सरस्वती और दुष्यंत के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया और संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर ने स्वागत उदबोधन दिया। डॉ. विशाखा राजुरकर के कुशल मंच संचालन में कार्यक्रम आरम्भ हुआ। इस अवसर पर बोलते हुये विशिष्ठ अतिथि प्रवीण गुगनानी ने कहा की दुष्यंतकी रचनाएं सिर्फ समस्यायें नहीं उनका समाधान भी हैं। वे हमारे बीच कल भी थे आज भी है और कल भी रहेंगे। वरिष्ठ कथाकार शशांक ने कहा कि दुष्यंत की जीविका ही लेखन था। उनकी की गज़लों के शेर आज लोकोक्ति बन गये, यह साधारण बात नहीं है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ गीतकार नरेंद्र दीपक ने दुष्यंत के साथ गुजारे पलों को याद किया और कहा कि वे निःसंदेह इस सदी के सर्वश्रेष्ठ गज़लकार है। युवा चित्रकार विभावरी राजुरकर ने संग्रहालय के उपाध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत को अपने हाथों से बनाया पोट्रेट भेंट किया। आयोजन में

प्रणाम दुष्यन्त के अंतर्गत वर्ष भर आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों के प्रतिभागियों को सहभागिता पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। संग्रहालय की निदेशक सचिव करुणा राजुरकर ने सभी उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर के साहित्यकार उपस्थित थे।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

ड्रग डिजाइन, कैंसर निदान पर व्याख्यान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। कार्यशाला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग और बायोइन्फॉर्मेटिक्स पर आधारित एआई एवं मशीन

लर्निंग की मूल अवधारणाओं, प्रोटीओमिक्स, जीनोमिक्स, मेटाबोलोमिक्स, कोडॉन ऑप्टिमाइज़ेशन, वैक्सीन तकनीक, आणविक मार्कर, ड्रग डिज़ाइन, कैंसर निदान, मल्टी-ओमिक्स डेटा विश्लेषण तथा न्यूरल नेटवर्क आधारित बायोइन्फॉर्मेटिक्स टूल्स जैसे विषयों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। वक्ताओं ने आधुनिक जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल और प्रिसीजन मेडिसिन में संगणकीय तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर विशेष बल दिया। समापन सत्र में आयोजकों ने सभी संसाधन व्यक्तियों, प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसे वैज्ञानिक आयोजनों की निरंतरता पर जोर दिया। कार्यशाला का समापन एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ, जिसमें जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल और प्रिसीजन मेडिसिन के भविष्य को आकार देने में एआई और बायोइन्फॉर्मेटिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। समापन सत्र में डॉ. किशोर शेंडे ने सात दिवसीय कार्यशाला का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यशाला की संयोजक प्रो. रागिनी गोथलवाल ने विभिन्न संस्थानों के सहयोग, प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी तथा सभी संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। रजिस्ट्रार प्रो. एसबी सिंह ने प्रतिभागियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। अंत में कुलपति प्रो. एसके जैन ने मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के वर्तमान परिदृश्य में महत्व पर बल देते हुए अपने विचार साझा किए।

मानव संग्रहालय में व्यंजनों का अनोखा मेल

अन्नपूर्णा में कदम रखते ही खुशबू और स्वाद की दुनिया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मानव संग्रहालय में देश भर के 16 राज्यों से आए कलाकारों, शिल्पकारों और व्यंजनों का अनोखा मेल देखने को मिला। शाश्वती के तहत संग्रहालय का परिसर विभिन्न कार्यक्रमों और सांस्कृतिक झलक से परिपूर्ण दिखा। देश के विभिन्न राज्यों से आई करीब 35 महिला कलाकारों और शिल्पकारों ने अपने हुनर से दर्शकों को आकर्षित किया। कहीं करघे पर बुनती महिलाएं थीं, तो कहीं मिट्टी, धातु और बांस में आकार लेती कलाकृतियां। विभिन्नता में एकता का परिचय कराता शाश्वती कार्यक्रम के माध्यम से नारी शक्ति, परंपरा और रचनात्मकता को केंद्र में रखा गया। शुरुआत सुबह कला और शिल्प गतिविधियों से हुई।

महिलाओं द्वारा बनाए गए हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र और कलाकृतियों ने दर्शकों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। अन्नपूर्णा में व्यंजनों का चखा स्वादः अन्नपूर्णा खंड में कदम रखते ही खुशबू और स्वाद की दुनिया खुल गई। पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों ने आगंतुकों को भारत की पाक-संस्कृति की यात्रा कराई। लिट्टी-चोखा से लेकर बंगाल की गुड़ वाली मिठाइयों तक, हर स्टॉल पर महिलाओं की पारंपरिक पाक-विद्या की झलक दिखी।

वारली, मंडना, गोंद, भील, पट्टचित्र और सोहराई जैसी चित्रकलाओं ने दीवारों को बोलता हुआ कैनवास बना दिया। शाम 4 बजे हुए व्याख्यान में एनआईडी भोपाल की प्रोफेसर विद्या राकेश ने नारी की भूमिका, समाज में उसकी शक्ति और सांस्कृतिक योगदान पर अपने विचार रखे। शाम की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में मंच पर आंध्र प्रदेश से आमंत्रित कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। गुरु वनश्री राव और उनकी मंडली द्वारा यह प्रस्तुति दी गई। जगतोद्धार, अर्धनारीश्वर और तरंगम जैसी प्रस्तुतियों ने नारी शक्ति को गहराई से रेखांकित किया। यह उत्सव 2 जनवरी 2026 तक चलेगा।

मेट्रो एंकर

आशरा ऑडिटोरियम में युवा चित्रकार यामिनी की भूमिका में दमदार अभिनय

नाटक 'आखिरी पत्ता' में भावनात्मक दृश्यों ने छू लिया दर्शकों का दिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आशरा आडिटोरियम में नाटक की शुरुआत दो युवा चित्रकार मित्रों से होती है। उनमें से एक गंभीर रूप से बीमार पड़ जाती है और कहने लगती है कि जैसे ही पेड़ का आखिरी पत्ता झड़ जाएगा, उसकी जिंदगी भी खत्म हो जाएगी। दूसरी ओर एक बूढ़े चित्रकार ने अपनी कला से उस लड़की की जान बचाने के लिए आखिरी पत्ते को सचमुच जीवन दान दे दिया। भावनात्मक दृश्यों ने दर्शकों का दिल छू लिया और प्रस्तुति ने उम्मीद और करुणा का संदेश दिया। स्थानीय रंगकर्मियों ने ओ हेनरी की प्रसिद्ध कहानी 'आखिरी पत्ता' का नाट्य रूपांतरण किया। प्रस्तुति का निर्देशन रवि गोयल ने किया। यामिनी जमनानी ने युवा चित्रकार की भूमिका में दमदार अभिनय किया और उनके भावपूर्ण संवादों से माहौल झूम उठा। समारोह की समापन प्रस्तुति 'कविता ऑफ द रिकॉर्ड' ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने भी खूब सराहा। आयोजकों ने बताया कि आयोजनों से स्थानीय रंगमंच को नई ऊंचाई मिलती है। फराजा भेंग ने मित्र की भूमिका में सहज भावनाएं उभारी, जिससे दर्शक और भी भावुक हो उठे। अजय पटेल ने बूढ़े चित्रकार का किरदार निभाकर त्याग की भावना को जीवंत किया। और मंच पर उनकी मौजूदगी प्रभावशाली रही। तरुण ने डॉक्टर की भूमिका में सूक्ष्मता से चरित्र को उकेरा। यह प्रस्तुति यमिनी सांस्कृतिक एंड वेलफेयर सोसाइटी, भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नाट्य महोत्सव की अहम कड़ी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रसिद्ध संतकमल किशोर नागर की कथा में हुए शामिल , बोले-

भागवत कथा से समाज में सदाचार और समरसता की भावना होती है मजबूत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भागवत कथा और सत्संग से समाज में सदाचार, नैतिकता और समरसता की भावना मजबूत होती है। कथा और सत्संग आध्यात्मिक अनुभूति और सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम भी है। कथा श्रवण और सत्संग से मन तृप्त होता है और जीवन संवरता है। भगवान की भक्ति, कथा श्रवण और सत्संग से वह तृप्ति मिलती है जो भौतिक सुख, वैभव और छप्पन भोग में भी नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर के ग्राम चित्तौड़ा में संत श्री कमल किशोर नागर महाराज की कथा के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुवर श्री कमल किशोर नागर जी का नाम ही हमारे लिए सौभाग्य का प्रतीक है। वर्षों से आपके प्रवचनों के माध्यम से हम भगवान की भक्ति में स्वर्ग लोक का अनुभव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कथा एवं सत्संग के श्रवण से स्वर्ग लोक सहित सभी तीर्थों का आनंद प्राप्त हो जाता है। उन्होंने भक्ति और सत्संग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भौतिक सुख-साधन और 56 भोग भी मन को तृप्त नहीं कर सकते, लेकिन भगवान की भक्ति और सत्संग मन को पूर्ण तृप्ति प्रदान करते है और सफल जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

गौशाला विकास के लिए हो रहे प्रयास

सीएम ने गौ माता की सेवा के लिए महाराज श्री कमल किशोर नागर जी द्वारा किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। महाराज जी ने समाज को यह चेतना दी है कि केवल प्रवचन ही नहीं, बल्कि संस्कार और सेवा भी उतनी ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार बनने के बाद गौशालाओं के विकास के लिए लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और मध्यप्रदेश को गौ-सेवा का मॉडल राज्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। घर-घर गोपाल की भावना को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि जहां गाय है, वहीं गोपाल का वास है। मुख्यमंत्री ने सनातन संस्कृति की परंपराओं, कुंभ और सिंहस्थ स्नान के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल केवल शारीरिक शुद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन की उत्पत्ति और परंपरा का आधार है। मुख्यमंत्री ने शिप्रा नदी के शुद्धिकरण और जल संरक्षण के प्रयासों से आगामी सिंहस्थ को ऐतिहासिक और भव्य बनाने का संकल्प भी दोहराया।

मप्र में अधिकारियों की पदोन्नति फिर उलझी

हाईकोर्ट ने रिव्यू याचिकाएं की स्वीकार 30 से ज्यादा अफसरों का बढ़ा इंतजार

» आईएएस अवॉर्ड की दौड़ में शामिल अफसरों को झटका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य प्रशासनिक अधिकारियों की पदोन्नति एक बार फिर से उलझ गई है। एमपी लोकसेवा आयोग के वर्ष 2006 बैच के डिप्टी कलेक्टरों की वरिष्ठता को लेकर चल रहे विवाद में हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए पहले दिए गए अपने आदेश को रिव्यू याचिकाओं की सुनवाई के बाद वापस कर लिया है। अब सभी याचिकाओं पर दोबारा सुनवाई होगी।

2019 में हाई कोर्ट में दायर की थी याचिका- एडीएम शालिनी श्रीवास्तव, भरतभूषण गांगले सहित वर्ष 2006 में पीएससी से चयनित होने वाले अन्य अधिकारियों ने वर्ष 2019 में हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इन याचिकाओं में उन्होंने कहा था कि उनकी ज्वॉइनिंग के आधार पर उन्हें वरिष्ठता दी जाना चाहिए, जबकि राज्य सरकार विभागीय परीक्षा पास करने की शर्त पूरी नहीं होने से उनकी वरिष्ठता को 2010 से तय कर रही है।

फैसले को लेकर रिव्यू याचिका दायर

जिन अधिकारियों की वरिष्ठता प्रभावित हो रही थी उन अधिकारियों ने हाई कोर्ट के इस फैसले को लेकर रिव्यू याचिका दायर की। इसमें उन्होंने कहा था कि वे इससे प्रभावित हो रहे हैं। याचिकाओं में उन्हें पक्षकार ही नहीं बनाया गया था। उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बगैर वरिष्ठता तय करना न्यायसंगत नहीं है। रिव्यू याचिका में एक वर्ष से अधिक समय तक सुनवाई चली। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने रिव्यू याचिका में फैसला सुरक्षित रख लिया था जो अब जारी हुआ है।

पांच वर्ष सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने वर्ष 2024 में अपना फैसला सुनाया था। इसमें कोर्ट ने सरकार से कहा था कि पीएससी 2006 बैच की वरिष्ठता का निर्धारण एमपी सिविल सेवा (सामान्य सेवा शर्तें) नियम, 1961 के तहत किया जाए और सभी अधिकारियों को इसका लाभ दिया जाए। इसके कारण अन्य अधिकारियों की वरिष्ठता प्रभावित हो रही थी।

कोर्ट ने सभी रिव्यू याचिकाओं को स्वीकार कर लिया

कोर्ट ने रिव्यू याचिका में दिए फैसले में कहा है कि वरिष्ठता एक नागरिक अधिकार है, जिन लोगों की वरिष्ठता प्रभावित होती है, उन्हें सुनवाई का अवसर दिए बगैर इस संबंध में कोई फैसला नहीं दिया जा सकता। आवश्यक और प्रभावित पक्षकारों को शामिल किए बिना दिया गया आदेश कानूनी त्रुटि है। कोर्ट ने माना कि पहले दिए गए आदेश में आवश्यक पक्षकारों की अनुपस्थिति के कारण रिकॉर्ड पर स्पष्ट त्रुटि हुई है। इसके चलते कोर्ट ने सभी रिव्यू याचिकाओं को स्वीकार कर लिया।

मामले की दोबारा पूरी सुनवाई होगी

कोर्ट ने वर्ष 2019 में दायर सभी याचिकाएं जिन्हें समाप्त कर दिया गया था को सुनवाई के लिए बहाल कर दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस मामले की दोबारा पूरी सुनवाई होगी।

30 से ज्यादा अधिकारी होंगे प्रभावित

कोर्ट के इस फैसले का असर अधिकारियों के आइएएस अवॉर्ड पर भी होगा। इस फैसले का असर आइएएस अवॉर्ड की दौड़ में शामिल 30 से अधिकर अधिकारियों पर पड़ेगा।

पुरानी गाड़ियों की कुंडली रखेगा आरटीओ...

1 जनवरी से लागू होगा डीम्ड ओनर नियम चोरी और फर्जीवाड़े पर लगेगी लगाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नए साल से पुराने वाहनों के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है। मध्य प्रदेश में अब पुरानी गाड़ियों की खरीदी-बिक्री मनमर्जी से नहीं, बल्कि सख्त नियमों और सरकारी निगरानी के तहत होगी। परिवहन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि 1 जनवरी, 2026 से बिना प्राधिकार पत्र (डीलर ऑथोराइजेशन) के पुराने वाहनों का व्यापार नहीं किया जा सकेगा। इंदौर के करीब 100 डीलर्स को इस नई व्यवस्था के तहत अनिवार्य रूप से पंजीयन कराना होगा।

वाहन मालिकों को कानूनी पचड़ों से मिलेगी मुक्ति

प्राधिकार पत्र के नियम का सबसे बड़ा लाभ वाहन स्वामियों को मिलेगा। जब कोई स्वामी अपनी पुरानी गाड़ी किसी अधिकृत डीलर को बेचेगा, तो केंद्रीय मोटरयान नियम के तहत फॉर्म 29-सी भरा जाएगा। इस फॉर्म की जानकारी आरटीओ (ञ्झ्ह) को मिलते ही डीलर उस वाहन का डीम्ड ओनर (माना गया स्वामी) बन जाएगा। इसका अर्थ यह है कि वाहन हैंडओवर होते ही पुराने मालिक की कानूनी जिम्मेदारी पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। अब तक कई मामलों में गाड़ी बेचने के बाद भी दुर्घटना या अपराध की स्थिति में जिम्मेदारी पुराने मालिक पर आ जाती थी, जो अब नहीं होगा।

हर सौदे की होगी डिजिटल निगरानी

नई व्यवस्था में हर सौदे का डेटा वाहन पोर्टल पर दर्ज होगा। अब तक विभाग को केवल नामांतरण के समय ही जानकारी मिलती थी, लेकिन अब हर गतिविधि पर विभाग की नजर रहेगी। इससे अवैध डीलरों पर शिकंजा कसेगा और जीएसटी (त्रस्ज्ञ) व अन्य शुल्कों की वसूली भी सुनिश्चित हो सकेगी।

धोखाधड़ी और चोरी की गाड़ियों पर लगेगी रोक

आरटीओ प्रदीप शर्मा के अनुसार, सभी डीलरों के लिए ऑथोराइजेशन लेना अनिवार्य है। इस बदलाव से खरीदारों को भी बड़ी राहत मिलेगी। अधिकृत डीलर से खरीदी गई गाड़ी का पूरा रिकॉर्ड परिवहन विभाग के पास रहेगा, जिससे फर्जी कागजात और चोरी की गाड़ियों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगेगी। खरीदार को वाहन का स्पष्ट इतिहास पता रहेगा, जिससे भविष्य में किसी कानूनी पचड़े का डर नहीं होगा। साथ ही, दिल्ली और अन्य राज्यों से लाकर बेचे जाने वाले वाहनों की जानकारी भी विभाग के पास उपलब्ध रहेगी।

शोरूम्स के लिए भी पंजीयन अनिवार्य

नए साल में यह नियम केवल पुराने वाहनों के डीलरों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि नए वाहनों के शोरूम संचालक भी एक्सचेंज में पुरानी गाड़ियां लेते हैं, तो उन्हें भी प्राधिकार पत्र लेना अनिवार्य होगा। डीलर महज 25 हजार रुपये शुल्क देकर एनआईसी के माध्यम से पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे।

स्लॉट बुकिंग की सख्ती से भड़के किसान

खंडवा-इंदौर-इच्छापुर-ऐदलाबाद राष्ट्रीय सड़क मार्ग जाम

ओंकारेश्वर। खरगोन जिले के सनावद शहर में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। नेशनल हाईवे-इंदौर- खंडवा इच्छापुर-ऐदलाबाद मार्ग 4 बजे के बाद चक्काजाम हो गया। कारण था कृषि उपज मंडी में सीसीआई कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा स्लॉट बुकिंग के सख्त नियम। निर्धारित स्लॉट से अधिक कपास की खरीदी न करने के नए आदेश ने सैकड़ों किसानों को सड़क पर उतार दिया। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया और सीसीआई पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। प्रशासन के आदेश पर मंडी प्रशासन ने स्लॉट बुकिंग को कड़ाई से लागू किया। इसका मकसद मंडी में भीड़भाड़ रोकना और व्यवस्थित खरीदी सुनिश्चित करना था। लेकिन यह नीति किसानों की मेहनत पर पानी फेर गई।

डीजीपी ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को जारी किए निर्देश

नववर्ष के जश्न पर पुलिस की नजर, 1 जनवरी की रात तक चलेगी सघन चेकिंग और गश्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नववर्ष के दौरान प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने पूरे प्रदेश में आगामी 1 जनवरी की रात तक सघन चेकिंग और गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। गत वर्ष पुलिस अधिकारियों एवं मैदानी बल की सक्रियता से असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर अभूतपूर्व नियंत्रण रहा था। इसी क्रम को जारी रखते हुए इस वर्ष भी प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आमजन की सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस पूर्ण मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी रैंक के फील्ड अधिकारी स्वयं सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का नेतृत्व करेंगे। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की अधिक तैनाती रहे। शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार ड्राइविंग, छेडख़ानी और महिलाओं के साथ होने वाली अभद्रता को रोकने के लिए पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पहलगाम घटना तथा ऑपरेशन 'सिंदूर' के मद्देनजर मॉल, बाजार, होटल, रिसॉर्ट, पिकनिक स्पॉट (नदी, बांध, झील) और मंदिरों में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त बल तैनात करें।

सभी मोर्चों पर सतकर्ता बरतने के निर्देश

सूचीबद्ध गुंडा-बदमाशों और अशांति फैलाने वाले तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही नियंत्रित करने की रणनीति पर काम किया जाए। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के निर्देश डीजीपी ने वीवीआईपीए वीआईपी सुरक्षा सहित सभी मोर्चों पर सुरक्षा व्यवस्था के प्रति पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलों में होने वाली किसी भी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी तत्काल पुलिस मुख्यालय को साझा करने के निर्देश दिए। साथ ही विशेष शाखा द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मध्यप्रदेश पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि नववर्ष सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं।

पांच राज्यों की शैक्षिक लीडरशिप कार्यशाला का आयोजन भोपाल में

भोपाल। राष्ट्रीय शैक्षिक नेतृत्व परिषद (एनसीएसएल) नीपा द्वारा 5 राज्यों बिहार, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा तथा मध्यप्रदेश की लीडरशिप एकेडमी की समीक्षा एवं योजना निर्माण कार्यशाला का आयोजन भोपाल में एनसीएसल (नेशनल लीडरशिप एकेडमी) नीपा द्वारा जा रहा है। यह कार्यशाला समग्र शिक्षा अभियान, एससीईआरटी तथा सीमेट के योजना निर्माण तथा लीडरशिप संबंधी कार्यो के राज्यों में संपादित कार्यों का रिव्यू एवं आगामी योजना निर्माण के संबंध में आयोजित की जा रही है। भोपाल के अशोका लेकव्यू में 29 से 31 दिसम्बर 2025 तक संचालित होने वाली क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ संचालक लोकशिक्षण डी.एस. कुशवाह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मेट्रो एंकर

एम्स निदेशक ने कहा- मन की बात में यह मुद्दा उठना राष्ट्रीय चेतावनी

एंटीबायोटिक्स के गलत इस्तेमाल से खतरा, एएमआर से निमोनिया बना जानलेवा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों से लेकर कई सामान्य मरीज सही इलाज के बावजूद ठीक नहीं हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण एंटीबायोटिक दवाओं का घटता प्रभाव माना जा रहा है। इस स्थिति को एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस कहा जाता है। यह मुद्दा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में भी उठाया गया था। एम्स भोपाल में भी इस विषय पर विशेष चर्चा हुई। एम्स के निदेशक डॉ. माधवानंद कर ने बताया कि एएमआर पूरी दुनिया में चिकित्सा क्षेत्र के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। बिना डॉक्टर की सलाह एंटीबायोटिक लेना, गलत खुराक, अधूरा कोर्स और जरूरत से ज्यादा शक्तिशाली दवाओं का उपयोग इस संकट को और बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री का इस मुद्दे को उठाना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल है। यदि एंटीबायोटिक के जिम्मेदार उपयोग पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो सामान्य बीमारियां जैसे निमोनिया और मूत्र मार्ग संक्रमण भी जानलेवा हो सकती हैं।

डॉक्टरों के अनुसार, पहले जो बुखार या संक्रमण दो गोली में ठीक हो जाता था, अब उसे ठीक होने में हफ्तों लग रहे हैं। दवा बदलने के बावजूद असर कम दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि कई बैक्टीरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं जैसे मेरोपेनम, पेनिसिलिन, अमॉक्सीसिलिन अब आईसीयू में भी बेअसर साबित हो रही हैं। जबकि कभी बेअसर साबित हुई सेपटोन और क्लोरोफेनिकोल अब दोबारा असर दिखाने लगी हैं और डॉक्टर इन्हें लिखने लगे हैं।

एम्स की रिसर्च ने बताया स्थिति क्यों घातक- एम्स भोपाल की ताजा रिसर्च में पता चला है कि यूरीन इन्फेक्शन, फेफड़े और खून के संक्रमण में इस्तेमाल होने वाली दवाएं तेजी से बेअसर हो रही हैं। पहले जो बीमारी 2-3 टैबलेट में ठीक हो जाती थी, अब उसके लिए हफ्तों लग रहे हैं। यह रिसर्च 3,330 आइसोलेट्स मरीजों पर की गई, जिसमें 2,664 नेगेटिव और 666 पॉजिटिव बैक्टीरिया शामिल थे।

रिसर्च के प्रमुख निष्कर्ष- जनवरी 2025 से जून 2025 के बीच, यूरिनल इन्फेक्शन में दी जाने वाली सिप्रोफ्लॉक्सासिन दवा अब ई.कोलाई बैक्टीरिया पर केवल 39 फीसदी असर दिखा रही है। यानी हर 10 में से 6 मरीजों पर यह दवा बेअसर हो चुकी है।

हाई-एंड एंटीबायोटिक का बढ़ता चलन, गंभीर खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि आजकल बिना जरूरत के शक्तिशाली एंटीबायोटिक का इस्तेमाल बढ़ गया है। इससे बैक्टीरिया तेजी से प्रतिरोधक बन रहे हैं। प्रो. कर ने चेताया कि अगर यही स्थिति रही, तो भविष्य में हमारे पास इलाज के विकल्प ही नहीं बचेंगे। भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया नेशनल एक्शन प्लान ऑन एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस 2.0 इस दिशा में एक बड़ा कदम है।

आम बीमारियों के इलाज में बढ़ती मुश्किल

विशेषज्ञों के मुताबिक, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के कारण निमोनिया, मूत्र मार्ग संक्रमण त्वचा संक्रमण और पेट के कई रोगों का इलाज पहले की तुलना में ज्यादा कठिन हो गया है। कई मामलों में मरीजों को महंगी और ज्यादा साइड इफेक्ट वाली दवाओं पर निर्भर होना पड़ रहा है। इससे इलाज की लागत बढ़ने के साथ-साथ मरीज की जान को भी खतरा बढ़ जाता है। एएमआर से लड़ाई में सिर्फ आमजन ही नहीं, बल्कि डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका भी बेहद अहम है। प्रो. कर के अनुसार, सही दवा का चयन, सही खुराक और सही अवधि तक इलाज सुनिश्चित करना जरूरी है।

जलवायु संकट का साल

साल 2025 को अगर इतिहास के आईने में देखा जाए, तो यह सिर्फ बीता हुआ एक और वर्ष नहीं लगेगा। यह वह मोड़ था, जहां जलवायु संकट ने दुनिया से जवाब मांगा- और उसकी कीमत वसूली। क्रिश्चियन एड की रिपोर्ट काउंटिंग द कॉस्ट 2025 बताती है कि जलवायु आपदाओं ने बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था को 120 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया। लेकिन यह आंकड़ा जितना बड़ा दिखता है, उससे कहीं ज्यादा भयावह उसकी कहानी है। यह नुकसान केवल इमारतों, सड़कों या फसलों तक सीमित नहीं रहा। इसके साथ उजड़ते घर हैं, टूटते सपने हैं और वे जिंदगियां हैं, जो हर बाढ़, हर आग और हर तूफान के साथ हमेशा के लिए खत्म हो गईं। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में दुनिया भर में कम से कम दस ऐसी आपदाएं हुईं, जिनमें से हर एक ने एक अरब डॉलर से ज्यादा की तबाही मचाई। कैलिफोर्निया की जंगलों की आग अकेले 60 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान कर गई- मानो प्रकृति ने चेतावनी को आग की लपटों में लिख दिया हो। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में तस्वीर और भी डरावनी रही। तूफानों और बाढ़ ने 1700 से ज्यादा लोगों की जान ले ली और करीब 25 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति हुई। भारत और पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ ने 1860 से अधिक लोगों को निगल लिया। करीब 5.6 अरब डॉलर का नुकसान दर्ज हुआ। विडंबना यह है कि यही वे देश हैं, जिनका वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में योगदान सीमित है, लेकिन कीमत उन्हें सबसे भारी चुकानी पड़ी। रिपोर्ट एक अहम बात साफ-साफ कहती है- इन आपदाओं को अब 'प्राकृतिक' कहकर नहीं टाला जा सकता। दशकों से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता, पर्यावरणीय चेतावनियों की अनदेखी और राजनीतिक टालमटोल ने मिलकर यह संकट रचा है। इम्पीरियल कॉलेज लंदन की प्रोफेसर जोआना हेग के शब्दों में, यह किसी अचानक आई अनहोनी का नतीजा नहीं, बल्कि हमारे चुने हुए फैसलों का परिणाम है। आर्थिक नुकसान के आंकड़े अमीर देशों में ज्यादा दिखते हैं, क्योंकि वहां बीमा और संपत्तियों का दायरा बड़ा है। लेकिन असली त्रासदी गरीब देशों में घटती है- जहां लोग सब कुछ खो देते हैं और फिर भी उनकी पीड़ा पूरी तरह दर्ज नहीं हो पाती। 2025 में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, सूखा, जंगलों की आग और बढ़ता समुद्री तापमान यह बता गया कि जलवायु संकट किसी एक देश या महाद्वीप तक सीमित नहीं रहा। यह सीमाओं को नहीं मानता। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक कठोर चेतावनी है।

सही प्रश्न पूछने का साहस ही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और उपलब्धि

ललित गर्ग
पत्रकार

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरुआत है।

वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है।

पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है।

भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है। नया वर्ष यह सवाल उठाता है कि क्या राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी या केवल सत्ता का साधन बनी रहेगी। वर्ष 2025 ने हमें यह सिखाया कि चुनौतियां केवल समस्याएं नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। पर्यावरण संकट हमें टिकाऊ विकास की ओर बुलाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य की चुनौतियां हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं और गरीबी व भ्रष्टाचार हमें सामाजिक न्याय की अनिवार्यता समझाते हैं। नये वर्ष की नाव इन्हीं अनुभवों और सबकों के सहारे आगे बढ़ सकती है। यदि हम विकास को प्रकृति-संवेदनशील बनाएं, शिक्षा और चिकित्सा को लोककल्याण का आधार मानें, राजनीति में नैतिकता और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित करें और गरीबी उन्मूलन को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता में उतारें, तो नये वर्ष का स्वागत सार्थक होगा।

नया साल कोई जादुई समाधान नहीं लाता, वह केवल एक अवसर देता है-अपने अनुत्तरित सवालों से ईमानदारी से जूझने का। यदि हम 2025 की घटनाओं से प्रेरणा लेकर 2026 में सही प्रश्न पूछने का साहस कर पाएं, तो उनके उत्तर स्वतः रास्ता बना लेंगे। यही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

फ़ाइलों में दबे हुए चेहरे और विलुप्त होती जा रही मानवीयता

पवनघुवारा भूमिपुत्र
स्तंभकार

एक छोटी-सी समस्या के समाधान के लिए व्यक्ति फ़ाइलों के जंगल में भटकता है। फोन उठाने से लेकर जवाब देने तक हर कदम पर एक दीवार खड़ी है – उस दीवार का नाम है नौकरशाही की असंवेदनशीलता।

नौकरशाही का मूल उद्देश्य नागरिकों की सुविधा, प्रशासन की पारदर्शिता और नीतियों की समानता था। लेकिन धीरे-धीरे फ़ाइलों पर फैसले अब संवेदना से नहीं, 'किसे खुश करना है और किससे बचना है' फ़ाइलें महीनों दबाई जाती हैं, नियुक्तियाँ वर्षों तक लंबित रहती हैं, और जब जवाब माँगा जाए तो कहा जाता है – 'प्रक्रिया में है।' यह 'प्रक्रिया' अब बहाने का दूसरा नाम बन चुकी है। जनता के सवालों का जवाब काग़ज़ों में मिलता है, लेकिन न्याय का उत्तर शून्य में खो जाता है। जहाँ जनता की पीड़ा आँकड़ों में बदल दी जाती है और आँकड़ों की भाषा में संवेदना मर जाती है। यह स्थिति लोकतंत्र के उस आत्मा को चोट पहुँचाती है जो 'जन' से शुरू होकर 'जन' पर ही समाप्त होती है। संवेदनहीनता केवल प्रशासन की नहीं, समाज की भी बीमारी बन चुकी है। आज दुर्घटनाओं के वीडियो बनाए जाते हैं, पर किसी को उठाने की हिम्मत कम ही होती है। गरीब की पीड़ा पर ताली बजाना आसान है, पर मदद करना कठिन। जहाँ ऊपर बैठे लोग 'नीतियों' की बात करते हैं, वहीं नीचे खड़े लोग 'रोटी' की। बीच में है नौकरशाही – जो पुल नहीं, दीवार बन चुकी है। यही वह त्रासदी है जो लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर रही है।फ़ाइलों और कानूनों की दुनिया में 'संवेदना' को 'अपवाद' मान लिया गया है। यह विचलित करने वाली सच्चाई है कि जो तंत्र जनता की सेवा के लिए बना, वही तंत्र अब नागरिक को संदेह की दृष्टि से देखता है। अधिकारी जनता को सुविधा देने से अधिक उसके इंटेंशन पर शक करने लगे हैं। यह शक लोकतंत्र की आत्मा के विरुद्ध है। यह संवेदनहीन तंत्र आम नागरिक की ज़िंदगी को उस 'प्रतीक्षा की यातना' में बदल देता है जो कभी समाप्त नहीं होती।

लोकतंत्र तब तक जीवित रहता है जब तक उसमें संवाद और सहानुभूति बनी रहती है।

कानून तभी तक उपयोगी हैं जब वे मानवीयता की रक्षा करें, और प्रशासन तभी तक वैध है जब वह नागरिक के दुख को अपनी जिम्मेदारी माने। आज हमारे देश में हर विभाग में योजनाएँ हैं, लेकिन क्रियान्वयन में संवेदना नहीं है। यही कारण है कि योजनाएँ 'रिपोर्ट कार्ड' बनकर रह गई हैं, न कि राहत का साधन।

जिम्मेदारी हैं। हर निर्णय के पीछे केवल नियम नहीं, जीवन छिपे होते हैं। फ़ाइलें तब तक अर्थहीन हैं जब तक उनमें इंसान की कहानी नहीं झलकती। पद का अहंकार अगर सेवा की भावना से नहीं मिला, तो हर नीति अधूरी रह जाएगी। आज आवश्यकता 'अकुशल प्रशासनिक मशीनरी' की नहीं, 'मानवीय प्रशासन' की है – जहाँ प्रत्येक निर्णय के केंद्र में नागरिक का दुःख, उसकी गरिमा और उसका जीवन हो। कानून की कठोरता के साथ मानवीयता की कोमलता भी जरूरी है। क्योंकि लोकतंत्र का सौंदर्य उसकी करुणा में है, उसकी कठोरता में नहीं। फ़ाइलों के बीच मरती संवेदनाएँ: नौकरशाही, सत्ता और संवेदनहीनता आज अगर फिर से मनुष्यता को जीवित नहीं कर पाए, तो

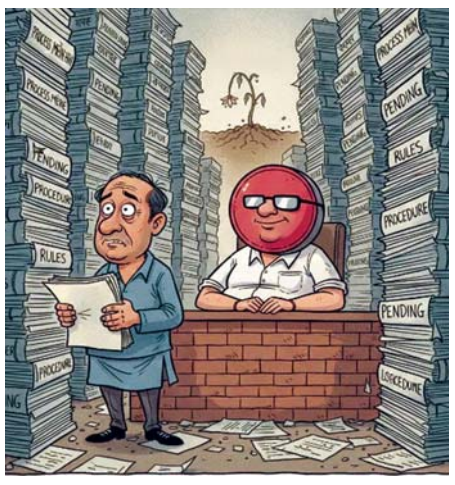

अगली पीढ़ियाँ हमें 'संवेदनहीन युग' कहकर याद करेंगी।आज केवल एक सामाजिक विकृति नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित, बहुस्तरीय और संगठित आपराधिक तंत्र का रूप ले चुकी है न्यायिक और प्रशासनिक संस्थाओं को भी परिवार की सामाजिक पीड़ा को समझने की आवश्यकता है।स्वास्थ्य केवल आर्थिक विकास का फल नहीं, बल्कि मानव गरिमा की बुनियाद है।पर्यावरण को केवल आपदा या दिवस के रूप में नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की चिंता के रूप में प्रस्तुत करना होगा।यदि हम सच में एक मजबूत, न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक भारत चाहते हैं, तो हमें उन आवाज़ों को सुनना होगा जो हमें सोचने पर मजबूर करती हैं। सवालों से डरने के बजाय उनका सामना करना होगा।योजनाओं को समयबद्ध, प्रभावी और सतत तरीके से लागू करे, तो विश्वास केवल टिकता ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और समाज की मजबूती का प्रतीक बन जाता है।

नीतियों को केवल कानूनों तक सीमित नहीं, बल्कि ज़मीन पर संवेदनशील बनाना होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

डॉक्टर की सलाह, 40 की उम्र पार करते ही प्रोटीन से भरपूर फूड है जरूरी

40 के बाद प्रोटीन बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इसकी कमी से मसल्स लॉस, हड्डियों की कमजोरी, इम्यूनिटी में कमजोरी और एनर्जी की कमी होने लगती है। इसलिए उनकी डाइट में 5 फूड शामिल करने के लिए गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वत्स ने कहा है। उन्हें बार बार कहकर इन्हें खाने के लिए याद करवाते रहें।

अंडा: डॉक्टर ने अंडे को प्रोटीन का गोल्ड स्टैंडर्ड बताया है। यह आसानी से पच जाता है और मसल्स रिकवरी के लिए परफेक्ट है। डॉक्टर ने इसे सबसे बेस्ट वेजिटेरियन प्रोटीन सोर्स बताया है। हालांकि इसके वेजिटेरियन होने पर काफी मतभेद हैं।

दही या ग्रीक योगर्ट: पेरेंट्स को दही या ग्रीक योगर्ट खाने की आदत डलवाएं। यह फूड आइटम प्रोटीन से भरे, ठंडक देने वाले और प्रोबायोटिक से भरपूर है। यह गट और इम्यूनिटी दोनों को मजबूत रखने में आपकी मदद कर सकते हैं, जो कि उम्र बढ़ने पर जरूरी हो जाता है।

पनीर या टोफू: उम्र बढ़ने पर मांसपेशियों और हड्डियों में कमजोरी का खतरा बढ़ जाता है। यह दोनों फूड आइटम मुलायम और कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इस वजह से उम्र बढ़ने पर अच्छे होते हैं। डॉक्टर ने इन्हें हड्डियों के लिए सबसे बेस्ट बताया है।

मूंग या मसूर की दाल: दालें घर के बड़ों की पहली पसंद होती है और यह उनके लिए स्वास्थ्यवर्धक भी है। डॉक्टर ने बताया कि ये दोनों दाल पचने में हल्की होती हैं। शाकाहारी लोगों के लिए प्लांट बेस्ड बैलेंस्ड प्रोटीन है और हर भारतीय किचन में मौजूद है।

सॉफ्ट कुक्ड फिश या चिकन सूप: इनकी 100 ग्राम लेने पर ही 25 से 30 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। उसके साथ ओमेगा 3 फैटी एसिड, जो हार्ट और जॉइंट्स को हेल्दी बनाता है। इसलिए यह उनकी हेल्थ के लिए आवश्यक हो जाता है।

सुविचार

'सफलता की चाबी, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प में है।'

-अज्ञात

निशाना

बेईमानी का समय है..!

रामकिशोर नाविक

सावधानी का समय है
बेईमानी का समय है
ढोंग है शालीनता का
बदज़ुबानी का समय है
लुटेरों की डाकुओं की
आमदानी का समय है
झूठ को सच बताने की
धुर बयानी का समय है
हैसियत ना के बराबर
बदग़ुमानी का समय है
बन गये सरकार बाबा
लंतरानी का समय है।

टेक्नो अपडेट

फोन में पासवर्ड डाले बिना भी WiFi कनेक्ट कर सकते हैं, नेटवर्क भी रहेगा सुरक्षित

स्मार्टफोन को वाई-फाई से कनेक्ट करने के लिए पासवर्ड डालना जरूरी है। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो यह गलत है। बिना पासवर्ड के भी स्मार्टफोन को वाई-फाई नेटवर्क से कनेक्ट करके इंटरनेट चलाया जा सकता है। कई बार पासवर्ड बहुत लंबे होते हैं और उन्हें याद रखना आसान नहीं होता। फोन पर वाईफाई पासवर्ड टाइप करने में भी कई बार गलती हो जाती है। कई लोग अपना वाई-फाई पासवर्ड हर किसी के साथ शेयर भी नहीं करना चाहते। ऐसे में बिना पासवर्ड के कनेक्ट करना सबसे अच्छा तरीका होता है। आप अपने फोन को किसी वाईफाई से बिना पासवर्ड डाले कैसे कनेक्ट कर सकते हैं, आइए तरीके जानते हैं।

आजकल स्मार्टफोन्स में बिना पासवर्ड के वाई-फाई शेयर करने का एक बिल्ट-इन ऑप्शन मिलता है। एंड्रॉयड स्मार्टफोन्स पर यह काम बहुत आसान है। जब आप कनेक्टेड नेटवर्क के नाम पर टैप करते हैं, तो आपको शेयर का ऑप्शन दिखाई देता है। इस पर क्लिक करते ही आपके फोन पर एक क्यूआरकोड आ जाता है। इसे स्कैन करके कोई भी आपके वाईफाई या मोबाइल डेटा के वाईफाई से जुड़ सकता है। इसी तरह आप भी सामने वाले के फोन में क्यूआर कोड स्कैन करके उसका वाईफाई इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईफोन के लिए तरीका: अगर आप और आपके दोस्त दोनों के पास आईफोन है तो आप सिर्फ एक टैप पर वाई-फाई कनेक्ट कर सकते हैं। इसके लिए आपको ब्लूटूथ ऑन करना होगा और वाई-फाई सेटिंग्स ओपन करनी होगी। जब आपका दोस्त आपके नेटवर्क को सिलेक्ट करता है तो आपकी स्क्रीन पर एक मैसेज आता है कि क्या आप एक्सेस शेयर करना चाहते हैं। 'Share' पर टैप करें और फोन बिना पासवर्ड बताए कनेक्ट कर लेगा। पुराने स्मार्टफोन में आप मैन्युअल तरीके से वाई-फाई QR कोड बना सकते हैं। कई फ्री ऐप्स और वेबसाइट्स हैं, जहां आप नेटवर्क का नाम और पासवर्ड डालकर QR कोड बना सकते हैं। आप इस कोड को सेव करके रख सकते हैं और जब भी किसी को कनेक्टिविटी की जरूरत हो, तो वो उसे स्कैन कर सकते हैं। इससे बार-बार पासवर्ड शेयर करने की जरूरत नहीं पड़ती।

गेस्ट नेटवर्क भी एक तरीका: कई राउटर में 'गेस्ट नेटवर्क' का ऑप्शन होता है। यह गेस्ट के लिए एक अलग कनेक्शन बनाता है। आपको गेस्ट के साथ सिर्फ गेस्ट नेटवर्क की जानकारी शेयर करनी होगी। यह उन लोगों के लिए अच्छा ऑप्शन है, जिनके यहां मेहमान अधिक आते हैं। इससे आपके नेटवर्क सुरक्षित रहते हैं। QR कोड स्कैनिंग और ऑटोमैटिक शेयरिंग जैसी तकनीकें पासवर्ड को सीधे शेयर करने की जरूरत खत्म कर देते हैं।

अजब - गजब

हादसे में अलग हुआ कान, डॉक्टरों ने पैर पर जिंदा रखा और जोड़ दिया

चीन के डॉक्टरों ने मेडिकल साइंस में एक ऐसा कमाल कर दिखाया है, जिसने सबको चौंका दिया है.। एक हादसे में महिला का कान पूरी तरह कट गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे बचाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। पहले कान को कुछ समय के लिए महिला के पैर पर लगाया गया और फिर कई महीनों बाद सफलतापूर्वक दोबारा सिर से जोड़ दिया गया। यह सर्जरी बेहद मुश्किल थी, लेकिन डॉक्टरों की मेहनत, धैर्य और समझदारी की वजह से यह संभव हो सकी। यह मामला आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की एक शानदार मिसाल बन गया है।

यह मामला अप्रैल महीने का है, जब एक महिला अपने कार्यस्थल पर काम कर रही थी। अचानक भारी मशीनरी की चपेट में आने से उसका कान पूरी तरह कट गया और सिर की त्वचा का बड़ा हिस्सा भी फट गया। हादसा इतना गंभीर था कि खोपड़ी, गर्दन और चेहरे की त्वचा कई हिस्सों में अलग हो गई। महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसके कटे हुए कान को बचाने की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआत में डॉक्टरों ने नार्मल सर्जरी के जरिए सिर की त्वचा और टिशू को जोड़ने की कोशिश की। लेकिन खोपड़ी के टिशू और ब्लड वेसल को इतना ज्यादा नुकसान हो चुका था कि नार्मल तरीका काम नहीं कर पाया। कान को तुरंत सिर से जोड़ना संभव नहीं था, क्योंकि वहां पर्याप्त रक्त प्रवाह नहीं बन पा रहा था। ऐसे में डॉक्टरों को कोई अलग और अनोखा उपाय सोचना पड़ा। पैर बना कान के लिए 'सेफ जगह': डॉक्टरों ने महिला के कटे हुए कान को उसके पैर पर ग्राफ्ट(जोड़ने का) करने का फैसला किया। डॉक्टरों के मुताबिक, पैर की त्वचा की मोटाई सिर की त्वचा से काफी मिलती-जुलती होती है और वहां की धमनियां(arteries) व नसें कान के टिशू को जिंदा रखने के लिए उपयुक्त थीं। यह ऑपरेशन बेहद कठिन था, क्योंकि कान की नसें सिर्फ 0.2 से 0.3 मिलीमीटर मोटी होती हैं। इस नाजुक सर्जरी में करीब 10 घंटे का समय लगा। ऑपरेशन के पांच दिन बाद स्थिति फिर गंभीर हो गई। कान तक जाने वाला रक्त प्रवाह बाधित हो गया और उसका रंग बैंगनी-काला होने लगा। कान को बचाने के लिए डॉक्टरों ने अगले पांच दिनों में लगभग 500 बार मैनुअल ब्लडलेटिंग की, ताकि रक्त संचार बना रहे। इसी दौरान महिला की खोपड़ी की क्षतिग्रस्त त्वचा को पेट की त्वचा से ग्राफ्ट कर ठीक किया गया।

महीनों बाद दोबारा जुड़ा कान: करीब पांच महीने तक इलाज और निगरानी के बाद, जब सूजन कम हो गई और सभी घाव भरने लगे, तब डॉक्टरों ने अंतिम चरण की तैयारी की। अक्टूबर महीने में करीब छह घंटे लंबा ऑपरेशन कर कान को पैर से हटाकर दोबारा महिला के सिर पर सफलतापूर्वक रीअटैच कर दिया गया।

न्यूज विंडो

नववर्ष पर हुड़दंगियों पर पुलिस की सख्ती सभी थानों में चैकिंग अभियान शुरू

नर्मदापुरम। नए साल के जश्न के नाम पर हुड़दंग मचाने वालों की खैर नहीं। नर्मदापुरम् पुलिस ने नववर्ष पर शराब पीकर वाहन चलाने, सड़क पर केक काटने, ट्रिपल राइडिंग और शांति भंग करने वालों पर विशेष नजर रखने का मास्टर प्लान तैयार किया है। नर्मदापुरम के इटारसी, सोहागपुर, पिपरिया, सिवनी मालवा थानों सहित कोतवाली देहात और यातायात पुलिस की संयुक्त टीमें शहर के प्रमुख स्थानों पर चेकिंग कर रही हैं।

ढाबों, होटलों, पिकनिक पॉइंट्स, धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर गश्त बढ़ा दी गई है।पुलिस ने पिछले तीन दिनों से लगातार चेकिंग शुरू कर दी है। चेकिंग रात में ही समय-समय पर स्थान बदलती रहेगी, ताकि हुड़दंगी अचेत हो जाएं। शराब पीकर वाहन चलाने वालों का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट होगा। पकड़े गए चालक का वाहन जब्त कर उन्हें अन्य साधन से घर भेजा जाएगा और मामला कोर्ट में चलेगा, जहां न्यूनतम 10 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। सड़क पर केक काटना, मार्ग अवरुद्ध करना, चलते वाहन की छत या बोनेट पर नाचना-गाना, वीडियो बनाना, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना, बिना लाइसेंस ड्राइविंग, तेज हॉर्न, मोडिफाइड साइलेंसर और शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। एसपी साई कृष्णा ने इन थानों को निर्देश दिए हैं कि गश्ती में तेजी लाई जाए। एसपी साई कृष्णा ने कहा, ÷नर्मदापुरम् पुलिस शांतिपूर्ण और मर्यादापूर्ण नववर्ष मनाने की अपील करती है। दुर्घटना-मुक्त जश्न के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है।÷पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे व्यवस्था में सहयोग करें और नववर्ष का आनंद सुरक्षित तरीके से लें।

युवाओं को धर्म और अध्यात्म से जोड़ने के लिए कर रहे हनुमान चालीसा

गंजबासौदा। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हनुमान चालीसा पाठ का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। हिंदू चेतना सेवा समिति द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म एवं आध्यात्म से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नरेंद्र राय के निवास पर श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सात बार हनुमान चालीसा पाठ, सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन में भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला, जिससे मोहल्ले सहित आसपास के क्षेत्र में धार्मिक चेतना का संचार हुआ। हनुमान चालीसा पाठ में प्रमुख रूप से नरेंद्र राय, रवि रघुवंशी, दीपक रघुवंशी, भूपेंद्र सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में हिंदू वीर उपस्थित रहे। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि समिति का निरंतर अभियान आओ मंदिरों की ओर लगभग पूर्ण होने के उपरांत अब हिंदू वीरों के घरों पर भी धार्मिक आयोजनों के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे घर, परिवार और मोहल्ले का वातावरण धर्ममय बन रहा है तथा युवा वर्ग नशे से दूर होकर धर्म, संस्कार और राष्ट्रहित की भावना से जागृत हो रहा है। समिति ने भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

समिति की बैठक में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया की सक्रिय सहभागिता

नर्मदापुरम। भारत सरकार की महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्ययन दौरे के दूसरे दिन पहले सत्र में रेलवे पीएसयू के साथ सीएसआर के माध्यम से महिला सशक्तिकरण विषय पर गहन चर्चा हुई। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने इसमें सक्रिय भागीदारी निभाते हुए महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए।दूसरे सत्र में सीएसआईआर-एनएएल, सीएफटीआरआई, आईआईए, जेएनसीएएसआर, आरआरआई, आईटीआई और कॉफी बोर्ड के प्रतिनिधियों के साथ बेंगलुरु के कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण (पॉश) अधिनियम, 2013 के प्रभावी कार्यान्वयन पर विस्तृत विमर्श हुआ। चर्चा में अधिनियम के अनुपालन, आंतरिक शिकायत समितियों की भूमिका तथा जागरूकता कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया गया।समिति की अध्यक्षता दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने कीं। उन्होंने सभी संस्थानों से महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों का आह्वान किया।

अवैध वसूली का वीडियो वायरल एएसआई को किया निलंबित

कटनी। थानों में आने वाले आम जनमानस को परेशान कर उनसे अवैध रूप से रुपए मांगने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसा ही एक और मामला मध्य प्रदेश के कटनी में स्थित बहोरीबंद थाने में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) संत लाल गोटिया का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो गंभीर भ्रष्टाचार और अवैध वसूली से जुड़े आरोपों को स्वीकार करते हुए नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार 29 दिसंबर को वायरल हुए इस वीडियो में एएसआई संतलाल गोटिया थाना बहोरीबंद में आने वाले फरियादियों को अनावश्यक रूप से बैठाकर रखने, विलंबकारी नीति अपनाने और कार्य के बदले पैसे लेने जैसे गंभीर कदाचरण करते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो के संज्ञान में आते ही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कठोर कदम उठाया।

फोरलेन पर तीन किमी लंबा जाम, पांच घंटे की मशक्कत के बाद बहाल हुआ यातायात, चालक गंभीर घायल

बैतूल-नागपुर फोरलेन पर गन्ना ट्रॉली पलटने से हादसा, दो ट्रक आपस में भिड़े

बैतूल। दोपहर मेट्रो

बैतूल-नागपुर फोरलेन पर रविवार देर रात एक के बाद एक हुए हादसों ने हाईवे को जाम में बदल दिया। सापना डेम के आगे मदानी ढाना के पास गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से पीछे चल रहे ट्रक और एक्सप्लोसिव से भरा ट्रक आपस में टकरा गए। इस भीषण दुर्घटना में एक्सप्लोसिव ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि हाईवे पर करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। रात करीब 10 बजे शुरू हुआ जाम तडक़े 3 बजे तक बना रहा।

जानकारी के अनुसार सांईखेड़ा क्षेत्र से गन्ने से लदी डबल ट्रॉली ट्रैक्टर शुगर फैक्ट्री की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक ट्रॉली असंतुलित होकर फोरलेन पर पलट गई। ट्रॉली के पलटते ही पीछे आ रहा लिक्विड पशु आहार से भरा ट्रक अचानक ब्रेक लगाने के बावजूद गन्ने की ट्रॉली से टकरा गया। टक्कर के बाद ट्रक से पशु आहार सडक़ पर फैल गया, जिससे सडक़ फिसलन भरी हो गई। इसी बीच ट्रक के पीछे चल रही एक्सप्लोसिव ट्रक चालक के नियंत्रण से बाहर होकर सीधे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक अंदर ही फंस गया। सूचना मिलने पर बैतूल बाजार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घंटों की मशक्कत के बाद ट्रक के केबिन को काटकर घायल चालक को बाहर निकाला गया और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

राहत कार्य में लगे संसाधन

हादसे के बाद हाईवे पर गन्ना और पशु आहार फैल जाने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। स्थिति को संभालने के लिए शुगर फैक्ट्री से मजदूरों को बुलाया गया और जेसीबी मशीन की मदद से सडक़ पर फैले गन्ने के ढेर को हटाया गया। वहीं क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को सडक़ से हटाया गया। एनएच पर तैनात ओरिएंटल कंपनी के कर्मचारियों ने भी राहत कार्य में सहयोग किया। करीब पांच घंटे की लगातार मेहनत के बाद फोरलेन पर यातायात बहाल किया जा सका। इस दौरान वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और एक लेन से ही आवागमन कराया गया। पुलिस ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने और ओवरलोडिंग से बचने की अपील की है।

कुरवाई रोड के मेहलुआ चौराहे के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसा

बर्थडे पार्टी मनाकर लौट रहे थे दोस्त खड़े डंपर में जा घुसी कार, 4 की मौत

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाले कुरवाई रोड के मेहलुआ चौराहे के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि, हादसे का शिकार सभी युवा आपस में दोस्त थे और जन्मदिन पार्टी मनाकर अपने घर लौट रहे थे। रात करीब 1.30 बजे कृष्णा ढाबा के पास उनकी कार सड़क किनारे खड़े डंपर में जा घुसी। हादसे की जानकारी लगते ही घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने कीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मामले की जांच में जुटी पुलिस का कहना है कि, हादसे में तीन युवाओं की मौत हुई है। इनमें 30 वर्षीय जगदीश साहू पुत्र मोहनलाल साहू, 29 वर्षीय अंकित साहू पुत्र वृंदावन साहू और 20 वर्षीय तनय शर्मा शामिल हैं। जबकि, 23 वर्षीय जगदीश गोड़ क पुत्र विनोद गोंड, निवासी राघव कॉलोनी विदिशा, 22 वर्षीय मोंटी अहिरवार पुत्र लालाराम अहिरवार और 20 वर्षीय गौतम उर्फ तनमय पुत्र संजय श्रीवास्तव, निवासी कुरवाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल हुए तीनों युवाओं को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां से एक युवक को भोपाल रेफर किया गया है।

कड़ी मशक्कत से कार से निकाले जा सके शव

पुलिस ने बताया कि, तनमय शर्मा का जन्मदिन मनाने सभी 6 दोस्त ढाबे पर पार्टी करने गए थे, यहां से लौटते समय वो हादसे का शिकार हो गए। टक्कर की भीषणता का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि, कार का अगला हिस्सा डंपर के पिछले हिस्से में घुस गया था। पुलिस को शव निकालने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। कुरवाई पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर शैलेंद्र नायक का कहना है कि, डंपर क्रमांक एमपी 67 एच 0253 के चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

कटनी में हाइवे पर ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

कटनी। जिले के बड़वारा थाना इलाके में आने वाले नैगवां ग्राम के पास राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर-43 पर सोमवार रात भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक बेलगाम दौड़ते अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, इस हादसे को देखने के लिए सड़क किनारे खड़ी एक कार को भी पीछे से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में भी कार सवार दो महिलाओं के साथ-साथ चालक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बता दें कि, ग्राम में रहने वाले नैगवां गाव में रहने वाले 38 वर्षीय मूरत महोबिया अपने साथी रामदयाल निवासी ग्राम करौंदी के साथ मोटरसाइकिल से कटनी से अपने घर बिजौरी लौट रहे थे। इसी दौरान नैगवां ग्राम के पास एनएच-43 पर एक अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

नपा के अमले ने नगर सीमा से हटाए 27 आवारा मवेशी

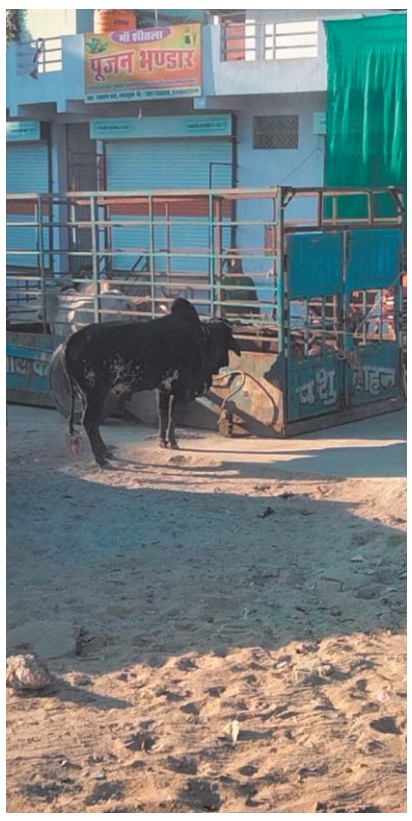

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका के हाकी दल द्वारा आवारा पशुओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। सोमवार को दल ने नगर में घूम रहे 27 आवारा पशुओं को नगर सीमा से बाहर किया।हाकी दल प्रभारी गगन सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को विशेष अभियान में नगर में आवारा सांडों को कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ा गया और उन्हें सुरक्षित नगर सीमा से बाहर छोड़ा गया। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने पशुपालकों से अपील की है कि अपने पशुओं को खुले न छोड़ें। सड़कों पर घूमने से दुर्घटनाओं का खतरा रहता है। कृपया पशुओं को घर पर बांधकर रखें और उनकी उचित देखभाल करें।

धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने का षड्यंत्र रचती रहीं बिधर्मी ताकतें

मुरैना। दोपहर मेट्रो

पोरसा शहर के प्राचीन एवं पावन नागाजी सरोवर परिसर में रविवार को भव्य और ऐतिहासिक हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस सम्मेलन में समाज के सभी वर्गों, जातियों और आयु समूहों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अनुमानत: 7 हजार से अधिक नागरिकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच पर क्षेत्र के सुप्रसिद्ध संत-महात्मा रामदास महाराज (ददरौआ सरकार), ऋषि महाराज, महामंडलेश्वर रामलखन दास (नागाजी धाम), राष्ट्रीय कथावाचक सुरेश शास्त्री, ब्रह्माकुमारी आश्रम की बीके रेखा बहन, रचना चौहान सहित अनेक गणमान्य संत, धर्माचार्य और समाजसेवी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए अरुण जैन ने कहा कि लंबे समय से हिंदू समाज को जातियों में बांटने का षड्यंत्र रचा गया और हमारे धार्मिक स्थलों को सुनियोजित तरीके से टारगेट बनाया गया।

कार से नर्मदापुरम के लिए निकला था युवक बुधनी के दहोटा घाट पर मिला शव, जांच जारी

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

बुधनी क्षेत्र के दहोटा घाट पर मिले शव की पहचान अविनाश शर्मा के रूप में हुई है। वो शुक्रवार को दोस्तों के साथ सतलापुर थाना क्षेत्र के एक खेत पर बने मकान में पार्टी करने आया था। पुलिस हत्या की आशंका जता रही है। सूचना मिलने पर बुधनी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बुधनी के मॉर्चुरी रूम भेजा। घटना की गंभीरता को देखते हुए मंडीदीप पुलिस के आला अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक युवक की पहचान अविनाश शर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अविनाश शुक्रवार को मंडीदीप से अपनी कार से नर्मदापुरम के लिए निकले थे। हालांकि, वह वहां नहीं पहुंचे और उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। इसके बाद परिजनों ने मंडीदीप थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसपी आशुतोष गुप्ता ने बताया कि अविनाश शर्मा के साथियों ने शनिवार शाम सतलापुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के बाद पुलिस लगातार सर्चिंग अभियान में जुटी रही। रातापानी और शाहगंज सहित जंगलों में युवक की तलाश की गई। सोमवार सुबह शव संदिग्ध हालत में जंगल में मिला। जानकारी के अनुसार अविनाश शर्मा शुक्रवार रात मंडीदीप से हुंडई वेन्यू कार से होशंगाबाद के लिए रवाना हुआ था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। घर वालों ने जब कॉल किया तो मोबाइल बंद था। शनिवार शाम मोबाइल चालू होने पर बताया गया कि मोबाइल रतापानी के ढाबे के पास मिला। अभी तक अविनाश और गाड़ी का पता नहीं चला है।

पुलिस को पड़ताल में हत्या की आशंका

दहोटा घाट पर शव मिलने के बाद मामला संदिग्ध हो गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल, युवक की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और शुरुआती जांच में यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मृतक के साथ आए दोस्तों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर कई बार बताई समस्याएं, लेकिन नहीं हुआ निराकरण

डिंडोरी में किसान संघ 29 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठा

डिंडोरी। दोपहर मेट्रो

भारतीय किसान संघ ने देर रात से ही शहपुरा जनपद पंचायत के वीरांगना रानी दुर्गावती स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। किसान अपनी 29 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। संघ के अध्यक्ष बिहारी लाल साहू ने बताया कि पिछले चार वर्षों से वे किसानों की समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन और रैलियों के माध्यम से जिला अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते आ रहे हैं। हालांकि, उन्हें केवल आश्वासन ही मिले हैं और समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। कड़कड़ाती ठंड के बावजूद किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और रातें धरना स्थल पर ही बिता रहे हैं। वे अपने साथ लकड़ियां लेकर आए हैं और आग जलाकर ठंड से बचाव कर रहे हैं। किसानों ने खेती का काम छोड़कर इस आंदोलन में हिस्सा लिया है।

पेशाब कर रहे युवक को जिपं सीईओ ने जड़ा थप्पड़

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर में नर्मदा तट पर पेशाब करने से नाराज जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र नागेश ने एक युवक को थप्पड़ मारे। बीच-बचाव करने पर पुजारी को धमकी भी दी। घटना शनिवार की बताई जा रही है। सोमवार को इसका वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। आरोप है कि अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया है।

घटना बरमान रेत घाट की है। यहां घाट के पास जनरल स्टोर चलाने वाले ब्रजेश नौरिया तट के पीछे पेशाब करने गए थे। इसी दौरान सीईओ वहां पहुंचे और नाराज हो गए। आरोप है कि उन्होंने चालानी कार्रवाई करने की बजाय युवक को दो-तीन थप्पड़ मारे और दुकान तुड़वाने के साथ दोबारा घाट पर न दिखने की धमकी दी।

न्यूज विंडो

चुनाव में लापरवाही पर कार्रवाई सीईओ रीना चौहान निलंबित

महेश्वर। कुछ दिनों पूर्व जनपद पंचायत में हुई गंभीर प्रशासनिक लापरवाही के मामले में कार्रवाई का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। वार्ड 7 में जनपद पंचायत सदस्य के निधन से पद रिक्त होने के बावजूद जनपद पंचायत अधिकारियों की लापरवाही के कारण गलती से वार्ड 9 को रिक्त बता दिया गया था, जिसके आधार पर वहां उप निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई थी। नामांकन प्रक्रिया के दौरान केवल एक ही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ था, लेकिन जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गलत वार्ड बताकर चुनावी प्रक्रिया को पूरा कर दिया गया था। गलती पता चलने के बाद निर्वाचन को संपन्न किए बिना ही निरस्त कर दिया गया। मामले की जांच में गंभीर प्रशासनिक चूक सामने आने पर पहले सहायक ग्रेड-3 अजय वर्मा एवं प्रभारी खंड पंचायत अधिकारी रामलाल बरसेना को निलंबित किया गया था, वहीं अब तत्कालीन जनपद पंचायत सीईओ रीना चौहान को भी निलंबित कर दिया गया है।

घटिया निर्माण कार्य से चार दिन पहले बनी सड़क उखड़ने लगी

सिवनी मालवा। क्षेत्र में इन दिनों प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत बनाई गई सड़कों पर मरम्मत का कार्य चल रहा है। मरम्मत की क्वालिटी इतनी घटिया और गुणवत्ताहीन है की सड़क पूरी बनने से पहले ही हाथों से ही उखड़ रही है। जब इन पर भारी वाहन चलेंगे तो क्या होगा। ग्राम पंचायत लोखर तलाई के सरपंच प्रतिनिधि रवि गुप्ता ने बताया कि लोखर तलाई से सांटई तक बन कर तैयर हुई इस सड़क की डामर परतें हाथ से उखाड़ने पर ही निकल रही है। उन्होंने बताया कि कही कही तो 1 इंच पर डामर की परत बिछा कर ठेकेदार ने अपनी जवाबदारी पूर्ण करते हुए घटिया निर्माण कर डाला। यही नहीं दोनों साइड डलने वाली लाल मुरम भी नहीं डालते हुए जेसीबी से काली मिट्टी डाली जा रही है जिसका ग्रामीणों द्वारा जमकर विरोध किया जा रहा। गुप्ता ने इस बात की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी की गई वहीं प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत आने वाले अधिकारियों से भी की लेकिन अभी तक इस और किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गुणवत्ता हिन् सड़क पर शीघ्र ही सुधार नहीं की जाता है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। जब हमने इस पूरे मामले में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत आने वाले एसडीओ से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन रिसीवड नहीं किया। अब इस स्थिति में पहुंच मार्ग गुणवत्ता से बने इस के लिए सभी गांव वाले एकजुट नजर आ रहे हैं!

बंसल कॉलेज में स्मृति मिलन 2025 पुरानी यादों में खोए 250 पूर्व छात्र

औबेदुल्लागंज। बंसल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशनखेड़ा में कॉलेज की स्थापना के 20 वर्ष पूर्ण होने पर स्मृति मिलन 2025 एल्युमनी मीट का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक पुनर्मिलन में वर्ष 2006 से लेकर 2020 बैच तक के लगभग 250 पूर्व छात्रों ने शिरकत की। कोई सात समंदर पार जर्मनी और यूके से पहुंचा, तो कोई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे महानगरों से अपने सुनहरे दिनों को फिर से जीने आया। कॉलेज कैंपस में उस समय भावुक दृश्य देखने को मिले जब कई वर्षों बाद लौटे छात्रों ने अपने पुराने क्लासरूम्स का रुख किया। किसी ने अपने पसंदीदा प्रोफेसर के साथ सेल्फी ली, तो किसी बैच ने अपनी पुरानी बेंच पर बैठकर कॉलेज के दिनों के ठहाकों को याद किया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रमुख तेजस्विता कात्यायनी और सीनियर प्रोफेसर अपर्णा पचौरी ने बताया कि पूर्व छात्र अपने गुरुओं और सहपाठियों से मिलकर काफी उत्साहित और भावुक थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बंसल ग्रुप के चेयरमैन सुनील बंसल ने युवाओं को जीवन का सार समझाते हुए कहा कि लक्जरी का अर्थ महंगी गाड़ियां या चमक-धमक नहीं है, बल्कि तनावमुक्त होकर रात 10 बजे चैन की नींद सो पाना ही जीवन की असली सफलता है। वहीं, पूर्व निदेशक डॉ. वाई.के. शर्मा ने एक सराहनीय पहल का सुझाव देते हुए एल्युमनी फंड बनाने की बात कही, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की शिक्षा में मदद की जा सके। उन्होंने रोजगार के अवसरों के लिए एक मजबूत नेटवर्किंग बनाने पर भी जोर दिया। उनके संबोधन के दौरान सभागार में व्याप्त सन्नाटा गुरुओं के प्रति छात्रों के अटूट सम्मान की गवाही दे रहा था। कार्यक्रम के सूत्रधार एवं निदेशक डॉ. ऋषिकेश रावत के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में देर शाम तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और ऑर्केस्ट्रा की धूम रही। फाउंडेशन बैच के छात्रों ने मंच से अपने अनुभव साझा किए।

धार्मिक स्थल के सामने बन रहे शौचालय पर कलेक्टर ने लगाई रोक

सागर. श्री राम चौक बड़ा बाजार में धार्मिक स्थल के सामने बन रहे शौचालय पर कलेक्टर संदीप जी आर ने कार्यवाही करते हुए निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश दिए गए हैं। गौरतलब है कि नगर निगम के द्वारा धार्मिक स्थल के सामने मौजूद ट्रांसफार्मर से सटकर शौचालय निर्माण कराया जा रहा था. शौचालय निर्माण का विश्व हिन्दू परिषद के अजय दुबे की अगुवाई में सहित विभिन्न संगठनों द्वारा विरोध किया गया था. गत दिवस संगठनों के कार्यकर्ताओं ने निर्माण कार्य के ढांचे को तोड़ दिया था. मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर संदीप जी आर ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए रोक लगाने की कार्यवाही की. उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि अन्यत्र कहीं उपयोगी जगह पर शौचालय निर्माण करें।

पन्ना रिजर्व टाइगर व जबलपुर वाइल्ड लाइफ की एसटीएफ टीम ने जांच शुरू की

करंट लगने से हुई थी बाघ की मौत!, काला पड़ गया था खून

सागर। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के पास मृत मिले बाघ मामले में पन्ना रिज़र्व टाइगर व जबलपुर वाइल्ड लाइफ की एसटीएफ टीम ने जांच शुरू की है. शुरुआत में बाघ के पोस्टमार्टम के बाद करेंट लगने से मौत की संभावना बताई जा रही है हालांकि वास्तविक कारण बिसरा जांच में पता चल सकेगा। दक्षिण वन मंडल की ढाना रेंज के हिलगन गांव में मिले बाघ की मौत की संभावित वजह करंट लगना बताई जा रही है। सोमवार को पन्ना टाइगर रिजर्व से पहुंची टीम ने स्थानीय वेटनरी डॉक्टर्स के साथ मिलकर बाघ का पोस्टमार्टम किया।

बताया जा रहा है कि बाघ का खून काला पड़ चुका था, जिसको लेकर मौत की वजह करंट लगना बताई जा रही है। हालांकि खून का काला पड़ना हमेशा करंट की निशानी नहीं होती। अन्य स्थितियों में भी ऐसा होना संभव है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि बाघ की मौत के 24-48 घंटे बाद पोस्टमार्टम किया जाए तो शरीर के बैक्टीरिया हीमोग्लोबिन को तोड़ने लगते हैं, जिससे खून काला या हरा-काला पड़ जाता है। कुछ विशेष प्रकार के जहर (जैसे ऑर्गेनोफॉस्फोरस) के कारण भी खून का रंग बदल सकता है और वह गाढ़ा काला दिख सकता है। डॉक्टर्स ने पीएम के साथ बिसरा कलेक्ट कर जांच के लिए जबलपुर भेजा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह पता चल सकेगी।

500 मीटर दूर मिला बिजली का तार

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की डॉग स्क्वॉड टीम ने ग्राम हिलगन पहुंचकर सर्चिंग शुरू की। डॉग सूंघता हुआ करीब 500 मीटर दूर एक खेत पर पहुंचा, जहां पर बिछाया गया बिजली का तार भी मिला है। यह भी चर्चा है कि कुछ दूरी पर वन्यजीव के बाल भी डॉग की सर्चिंग में मिले हैं, जिनको जब्त कर मृत टाइगर के डीएनए से मैच किया जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार वन विभाग ने संदेह के आधार पर हिलगन गांव के कुछ लोगों को भी पूछताछ के लिए उठाया है। बताया जा रहा है कि वन्यजीव (जंगली सुअर)फसल को नुकसान न पहुंचाए इस लिए ग्रामीण बिज़ली के तार बिछा देते हैं।

वन अपराध प्रकरण दर्ज, कार्रवाई जारी

सागर दक्षिण वनमंडल अधिकारी ने बताया कि 28 दिसंबर को बाघ की मृत्यु की घटना, जिसका स्थल राजस्व भूमि ग्राम हिलगन में टोरिया की खेर माता बीट हिलगन के कक्ष क्रमांक पी.एफ. 851 से लगभग 02 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, वन परिक्षेत्र ढाना के अंतर्गत प्रकाश में आई थी,जिस पर एस.ओ.पी. दिशा निर्देश अनुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल को सुरक्षित किया गया एवं वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के स्वान दल की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। पोस्टमार्टम विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सक के द्वारा किया गया है। वन्यजीव बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। वन्यजीव चिकित्सक की टीम के द्वारा शव परीक्षण के दौरान बाघ नर की मृत्यु करंट वायर से होने की संभावना बताई गई तथा शासन द्वारा जारी एस.ओ.पी. अनुसार शवदाह की कार्यवाही की गई। फ़िलहाल वन अपराध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

जनसुनवाई को लेकर उठ रहे गंभीर सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में प्रस्तावित टोरंटो पावर परियोजना को लेकर 7 जनवरी 2025 को रखी गई पर्यावरणीय जनसुनवाई की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि आज तक संबंधित गांवों के लोगों को इस जनसुनवाई की औपचारिक सूचना नहीं दी गई, जबकि नियमों के अनुसार जनसुनवाई से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार और सार्वजनिक सूचना अनिवार्य होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि जनसुनवाई की जानकारी न तो गांव में मुनादी के माध्यम से दी गई और न ही किसी सार्वजनिक सूचना पटल पर नोटिस चस्पा किया गया। रक्सा कोलमीक्षेत्र में कोटवार ने स्पष्ट रूप से बताया कि अब तक किसी प्रकार की मुनादी नहीं की गई है। इससे यह आशंका और गहरी हो गई है कि जानबूझकर सूचना को सीमित रखा गया, ताकि प्रभावित ग्रामीण अपनी आपत्तियां दर्ज न करा सकें। तहसील कार्यालय के सूचना पटल का निरीक्षण करने पर भी पर्यावरणीय जनसुनवाई से संबंधित कोई कागज नहीं मिला। यही स्थिति अनुविभागीय अधिकारी (एस डी एम) कार्यालय के सूचना पटल की भी रही, जहां 7 जनवरी की सुनवाई से जुड़ा कोई नोटिस प्रदर्शित नहीं था। कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर कार्यालय के सूचना पटल पर भी जब जानकारी खोजी गई तो वहां भी जनसुनवाई से संबंधित कोई दस्तावेज मौजूद नहीं पाया गया।

जनपद पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर भी 7 जनवरी की प्रस्तावित सुनवाई का कागज गायब बताया जा रहा है। ग्राम पंचायत रक्सा के चौकीदार ने भी पुष्टि की कि ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर सुनवाई का कोई नोटिस नहीं लगाया गया। इसी तरह कोलमी क्षेत्र के सूचना पटल पर भी किसी प्रकार की पर्यावरणीय जनसुनवाई की सूचना नहीं पाई गई। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि पर्यावरणीय जनसुनवाई का उद्देश्य ही प्रभावित लोगों को परियोजना के प्रभावों की जानकारी देना और उनकी सहमति या आपत्तियां दर्ज करना होता है। यदि सूचना ही समय पर और सही तरीके से नहीं दी जाएगी।

जबलपुर में युवक की चाकू से गोदकर हत्या, प्रकरण दर्ज

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर में 18 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के कांचघर के पास की है। रामपुर निवासी युवक अपने दोस्तों से मिलने आया था, तभी अचानक कुछ लोग पहुंचे और उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है।

गंगा आरती में बड़ी संख्या में शामिल हुए नागरिक

सागर। गंगा आरती का सांस्कृतिक आध्यात्मिक आयोजन सागर के ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील की स्वच्छता का प्रेरक बना है। 2025 के अंतिम सोमवार को झील किनारे महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और युवाओं सहित बड़ी संख्या में नागरिक गंगा आरती में शामिल हुए और धर्म लाभ लेने के साथ ही अपनी ऐतिहासिक धरोहरों और शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने का संकल्प लिया।

तीन माह से वेतन नहीं मिलने से अब आंदोलन की राह पर नगरनिगम कर्मी

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम के कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है,यदि दो दिन और वेतन नहीं मिलता है तो तीन माह हो जाएंगे। पिछले 23 साल में ऐसा मौका 23 बाद आया है जब नियम कर्मियों को वेतन नहीं मिला। अब वेतन की मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलन पर उतर आए हैं।

नगर निगम कर्मचारियों को वेतन न मिलने सहित विभिन्न लंबित मांगों को लेकर नगर निगम कर्मचारी संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे शहर की स्वच्छता एवं विकास कार्यों में निरंतर ईमानदारी से सेवाएं देने के बावजूद वेतन से वंचित हैं, जो कि कर्मचारियों के साथ अन्याय है। ऐसी गंभीर स्थिति नगर निगम में पिछले 23 वर्षों में पहली बार उत्पन्न हुई है। बैठक के उपरांत कर्मचारियों ने गांधीवादी तरीके से आंदोलन करने का निर्णय लिया और इसकी शुरुआत तीनबत्ती स्थित हनुमानजी सरकार को ज्ञापन सौंपकर की गई। कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव राजेश सिंह राजपूत एवं कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक एवं ईकाई अध्यक्ष वर्षा समद्र ने बताया कि आंदोलन के अंतर्गत कर्मचारी प्रतिदिन शाम को विभिन्न स्थानों पर शांतिपूर्ण एवं रचनात्मक गतिविधियां करेंगे। इनमें नागरिकों से भीख मांगना, रामधुन, शंख-झालर के साथ सड़कों पर निकलना तथा जनप्रतिनिधियों को फूल भेंट कर अपनी पीड़ा से अवगत कराना शामिल रहेगा।

सीसी रोड निर्माण के बाद हो गई खराब आज तक न नाली बनी न हुआ मूल्याकन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायतो में राशि आते ही सरपंच सचिव उनको निकलकर मनमाने तरीके से उसका व्यय औपचारिकता के रूप में कर देते हैं।और बची राशि कमीशन के रूप में वितरण कर लेते हैं। कई ग्राम पंचायते तो ऐसी है जिनमें निर्माण कार्य आज भी मौके पर नहीं है और राशि निकल गई तो कई ग्राम पचायते ऐसी है जिनमें निर्माण तो हुआ लेकिन आधा अधूरा और गुणवत्ताहीन कराया गया।

जब बात मूल्यांकन की आई तो संबंधित इंजिनियर ने उस निर्माण कार्य में सुधार करने के निर्देश दिये लेकिन पंचायतों ने सुधार नहीं कराया उल्टा मूल्यांकन की बात ही खत्म कर दी ऐसे मामले कई ग्राम पंचायतों में है ऐसा ही मामला तेंदूखेड़ा ब्लॉक की तेजगढ़ ग्राम पंचायत का है यह पर वर्ष 2022 में एक सीसी सड़क का निर्माण कार्य कराया गया था सड़क के साथ उसमें नाली भी थी जिसका निर्माण होना था लेकिन यह कार्य मौके से गोल कर दिया तत्कालीन उपयंत्री ने नाली निर्माण की बात कही किन्तु पश्चात ने उसको अनदेखा कर दिया और अब तीन वर्ष बीतने को है लेकिन कार्य आज भी अधूरा पड़ा हुआ है। मामला अगस्त 2022 का है तेजगढ़ ग्राम पंचायत ने पंद्रवे वित्त से करीब एक लाख पचास हजार की राशि से शिशु मंदिर से लेकर जबलपुर रोड तक सीसी सड़क का निर्माण कराया था। निर्माण के समय मटेरियल सही रूप में नहीं मिलाया गया और मौके पर नाली को गोल कर दिया। इसीलिए तत्कालीन उपयंत्री ने उसका मूल्यांकन नहीं किया। उसके बाद आज तक यह सीसी सड़क आज तक बिना मूल्यांकन के ही है।अब नौबत यह है कि सड़क खराब हो चुकी हैं। सीमेंट गायब हो गई गिट्टी मौके पर उखड़ आई हैं। पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए यह गिट्टियां पैरों में लगाने लगी है और लोग घायल हो रहे हैं।

मेट्रो एंकर न्यू ईयर पर करें प्रवासी पक्षियों का दीदार, प्रकृति और वाइल्ड लाइफ के साथ मनाएं नए साल का जश्न

जंगल में रहना, खाना, घूमना नए साल को बना देगा यादगार

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

सर्दी का मौसम और नए साल का मौका, जंगल सफारी को बेहद यादगार बना सकता है। बात एमपी के सबसे बड़े और उभरते वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही अभ्यारण्य) है। वैसे तो यह टाइगर रिजर्व तीन जिलों की सीमाओं में फैला है, जो दमोह सागर और नरसिंहपुर एरिया में आता है। विंध्य पर्वत की श्रृंखलाओं पर मौजूद यह जंगल 6 लाख एकड़ में पसरा है। जिसमें पहाड़, चट्टानें, नदियां, झरने तालाब के मनोरम दृश्य हैं। यहां इतने जानवर, टाइगर सफारी में कई दशकों से भारतीय भेड़ियों का सबसे बड़ा प्राकृतिक आवास भी है तेंदुओं की बसाहट है। अब यह क्षेत्र बाघों के लिए भी जाना जाता है। आने वाले समय में चीते भी फर्राटा भरेंगे। भालू, हाथी, नीलगाय, हिरण, चीतल, चिंकारा काले हिरण, जंगली बिल्ली, मगरमच्छ, कछुआ जैसे कई तरह के वन्य प्राणियों का बसेरा यहां है।

टाइगर रिजर्व में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से टिकट बुक की जा सकती है इसका चार्ज 250 रुपए प्रति व्यक्ति लगता है। यहां रुकने के लिए सरकारी रेस्ट हाउस हैं जहां एक का डेढ़ हजार में रूम मिल जाता है. जंगल सफारी करने के लिए खुली जिप्सी का चार्ज 2000 एक चक्कर का है जो 40 किलोमीटर तक जंगल में घूमती है. इस गाड़ी में छह लोग सवार हो सकते हैं अगर जंगल से रूबरू होने के लिए गाइड लेना चाहते हैं तो उसका चार्ज भी 300 रुपये है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ एए अंसारी ने बताया, न्यू ईयर के समय सबसे ज्यादा रोमांच प्रवासी पक्षियों का होता है जो रिजर्व के अंदर जंगल में तालाब में खूब दिखाई देते हैं। वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया कि पिछले कुछ साल से लगातार टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में तेजी से इजाफा देखने को मिला है इस बार भी उम्मीद है कि पिछले साल से अधिक पर्यटक आएंगे।

250 प्रजाति के हैं पक्षी

वाइड लाइफ प्रेमी जब टाइगर रिजर्व पहुंचते हैं तब हर तरह के पशु-पक्षी, जीव-जंतु को देखकर रोमांचित होते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह धरती का खूबसूरत स्वर्ग है। यहां विलुप्तप्राय गिद्धों के अलावा 250 प्रजाति के पक्षी देखने को मिलते हैं। सर्दियों में प्रवासी पक्षियों का भी डेरा जमा है, जो हिमालय यूरोप जैसी जगहों से आए हैं।

इतने का फैमिली पैकेज

इस टाइगर रिजर्व में घूमने के लिए अब ई-बुकिंग भी शुरू हो गई है। अगर आप फैमिली के साथ घूमने के लिए आना चाहते हैं तो तीन दिन का पैकेज 10,000 रुपए में बन जाता है। इसमें रहना, खाना, घूमना रहता है। अब जंगल में होम स्टे और रिसॉर्ट की भी सुविधा मिलने लगी है। यहां नए साल को देसी अंदाज में जंगल के बीच गुजारकर यादगार बना सकते हैं।

गौतम गंभीर की कोचिंग स्टाइल पर मोंटी पनेसर ने उठाए सवाल, कहा-

उन्हें रणजी टीम का कोच बनना चाहिए, गिल को भी सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली , एजेंसी

गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 और वनडे क्रिकेट में तो अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में टीम का परफॉर्मेंस खास नहीं रहा है। हाल ही में भारतीय टीम को अपने घर पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। वहीं पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों भी भारत तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार गया था।

टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के चलते गौतम गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं। अब इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर बड़ा बयान दिया है। पनेसर का मानना है कि अगर गंभीर को रेड-बॉल क्रिकेट में बेहतर कोच बनना है, तो उन्हें रणजी टीम का कोच बनकर अनुभव हासिल करना चाहिए।

मोंटी पनेसर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने वीवीएल लक्ष्मण से गंभीर की जगह रेड-बॉल कोच बनने को लेकर संपर्क किया है, हालांकि बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया था।

मोंटी पनेसर ने कहा कि गौतम गंभीर को रणजी ट्रॉफी के अनुभवी कोचों से बातचीत करनी चाहिए, ताकि वह समझ सकें कि टेस्ट क्रिकेट के लिए टीम कैसे तैयार की जाती है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि फिलहाल भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में कमजोर है।

टीम को दोबारा खड़ा करने में समय लगेगा : पनेसर

मोंटी पनेसर ने कहा कि विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम को फिर से स्थिर करने में समय लगेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि भारत को हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, जो गंभीर के कोच रहते भारत में दूसरी सीरीज हार है। मोंटी पनेसर ने कहा, गौतम गंभीर व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छे कोच हैं और वहां सफल भी रहे हैं। हालांकि उन्हें रणजी का कोच बनने से फायदा हो सकता है। उन्हें रणजी ट्रॉफी में कोचिंग दे चुके कोचों से बात करनी चाहिए। इस वक्त भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में कमजोर है और यह सच्चाई है। तीन बड़े खिलाड़ियों के संन्यास के बाद बाकी खिलाड़ियों को तैयार रखना आसान नहीं होता। मोंटी पनेसर ने टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने गिल को कॉम्प्लेसेंट लापरवाह खिलाड़ी बताते हुए कहा कि उनमें विराट कोहली जैसी आक्रामकता और तीव्रता की कमी है। पनेसर ने कहा कि शुभमन गिल में प्रतिभा तो है, लेकिन वह कई बार आलसी शॉट्स खेलते हैं। उन्होंने कहा, विराट कोहली की आक्रामकता हर फॉर्मेट में दिखती है, लेकिन शुभमन गिल वैसा नहीं कर पाते। तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का बोझ उनके लिए बहुत ज्यादा है। गौरतलब है कि रोहित शर्मा के संन्यास के बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी, जबकि बाद में उन्हें वनडे टीम का कप्तान भी बनाया गया।

भारतीय क्रिकेट के लिए उपलब्धियों और चुनौतियों का मिला-जुला साल रहा 2025

महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय, जीता पहला विश्वकप; टेस्ट में पुरुष टीम की चुनौतियां उजागर

नई दिल्ली , एजेंसी

साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए उपलब्धियों और चुनौतियों का मिला-जुला साल रहा। जहां भारतीय महिला टीम ने वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचते हुए देश को गौरवान्वित किया, वहीं पुरुष टीम ने सीमित ओवरों में सफलता हासिल की लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उसकी कमजोरियां उजागर होती नजर आईं। साल भर चले बदलाव, संन्यास, नई कप्तानी और प्रशासनिक उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय क्रिकेट ने कई यादगार लम्हे और कुछ कड़वे अनुभव भी देखे।

महिला टीम ने रचा इतिहास, जीता पहला वनडे विश्व कप- वर्ष 2025 भारतीय महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने पहली बार 50 ओवर का वनडे विश्व कप जीतकर आईसीसी ट्रॉफी का लंबा इंतजार खत्म किया। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत ने नया इतिहास रचा। इस टूर्नामेंट में टीम ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीमों को भी शिकस्त दी।

पुरुष टीम की सीमित ओवरों में सफलता

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 2025 में सीमित ओवरों के प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने दुबई में आयोजित आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी वनडे और एशिया कप टी20 जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इन जीतों ने यह दिखाया कि भारत अभी भी व्हाइट-बॉल क्रिकेट में दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में शामिल है।

टेस्ट क्रिकेट में उजागर हुईं कमजोरियां

हालांकि टेस्ट क्रिकेट में भारतीय पुरुष टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 0-2 की हार ने मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम की लाल गेंद की कमजोरियों को उजागर कर दिया। इससे पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 की हार ने भी चिंता बढ़ा दी थी।

कोहली-रोहित युग का अंत, अश्विन का संन्यास- 2025 टेस्ट क्रिकेट के लिए बदलावों का साल भी रहा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का अंत हो गया। इसके अलावा, स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान संन्यास की घोषणा की। बाद में चेतेश्वर पुजारा के संन्यास से मध्यक्रम में बड़ा खालीपन पैदा हो गया।

शुभमन गिल की कप्तानी में नया दौर

भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में की। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ रही। इस दौरान गिल ने चार शतक लगाते हुए 754 रन बनाए और कप्तानी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी अपनी छाप छोड़ी।

स्पिन के सामने ढहती बल्लेबाजी

हालांकि इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की हालत बिगड़ती चली गई। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर और इससे पहले न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह विफल रही। 124 रन जैसे छोटे लक्ष्य को भी हासिल न कर पाना टीम की गंभीर कमजोरी को दर्शाता है।

महिला क्रिकेट का उज्ज्वल भविष्य

महिला क्रिकेट के लिए यह साल बेहद सकारात्मक रहा। अंडर-19 महिला टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखा। वनडे विश्व कप जीत के बाद बीसीसीआई ने महिला खिलाड़ियों की घरेलू मैच फीस बढ़ाई और उन्हें विज्ञापन भी अधिक मिलने लगे।

बीसीसीआई में नेतृत्व परिवर्तन

2025 में भारतीय क्रिकेट प्रशासन में भी बदलाव देखने को मिला। दिल्ली के पूर्व क्रिकेटर मिथुन मनहास ने रोजर बिन्नी की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष का पद संभाला। वहीं सौरव गांगुली और वेंकटेश प्रसाद जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने अपने-अपने राज्य संघों की कमान संभाली।

भारत-पाक तनाव का असर क्रिकेट पर

पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद हुए सैन्य अभियान के चलते भारत-पाकिस्तान संबंध और बिगड़े। इसका असर क्रिकेट पर भी पड़ा। एशिया कप के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और ट्रॉफी लेने से भी मना कर दिया, जो अब दुबई स्थित एसीसी मुख्यालय में रखी हुई है।

आईपीएल में आरसीबी की ऐतिहासिक जीत और हादसा

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहली बार खिताब जीतकर 18 साल का इंतजार खत्म किया। लेकिन जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ मचने से 11 प्रशंसकों की मौत हो गई और 56 घायल हो गए। इसके बाद से स्टेडियम में कोई बड़ा मुकाबला नहीं खेला गया।

टी20 विश्व कप से पहले पीसीबी का बड़ा फैसला

श्रीलंका सीरीज के लिए बाबर और शाहीन बाहर

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 से ठीक एक महीने पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बड़ा और चौंकाने वाला फैसला लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए घोषित 15 सदस्यीय टीम में स्टार बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल नहीं किया है। इनके अलावा मोहम्मद रिजवान और हारिस रऊफ भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। यह फैसला क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह सीरीज टी20 विश्व कप से पहले तैयारी का अहम मौका मानी जा रही थी।

क्यों नहीं चुने गए सीनियर खिलाड़ी?

पीसीबी के मुताबिक बाबर आजम, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद रिजवान और हारिस रऊफ इस समय ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में अपने फ्रेंचाइजी अनुबंध पूरे कर रहे हैं। बोर्ड ने इन खिलाड़ियों को समय से पहले वापस बुलाने के बजाय उनके लीग कमिटमेंट का सम्मान करने का फैसला किया। इसी वजह से ये सभी खिलाड़ी श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं हो पाए।

सलमान अली आगा को मिली कप्तानी- श्रीलंका दौरे के लिए घोषित टीम में सलमान अली आगा को कप्तान बनाया गया है, जो टीम में नए प्रयोग और बदलाव की ओर इशारा करता है। यह सीरीज सात जनवरी से 11 जनवरी तक दांबुला में खेली जाएगी।

शादाब खान की वापसी, नए चेहरे को मौका

इस टीम में शादाब खान की वापसी हुई है, जो कंधे की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन पूरा कर चुके हैं। उन्होंने आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जून में खेला था। इसके अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज खवाजा नफे को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है, जो पीसीबी की युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने की रणनीति को दर्शाता है। जहां कुछ पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने इस फैसले को बोल्ड जुआ बताया है, वहीं कई लोगों का मानना है कि इससे उभरते खिलाड़ियों को विश्व कप से पहले खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यह सीरीज प्रयोग के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

विश्व कप में कठिन ग्रुप

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को ग्रुप बी में रखा गया है, जहां उनका सामना भारत, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स जैसी टीमों से होगा। श्रीलंका के खिलाफ यह सीरीज युवा खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का बड़ा मंच होगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि बिना अपने बड़े सितारों के पाकिस्तान टीम इस सीरीज में कैसा प्रदर्शन करती है और यह रणनीति विश्व कप में कितनी कारगर साबित होती है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

धुरंधर देखकर हैरान करण जौहर, बोले-

खुद की काबिलियत पर हो रहा शक!

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर हर दिन रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड पर बना रही है। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जहां 1000 करोड़ रुपये के पार चला गया तो वहीं घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 700 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। अब इस फिल्म को लेकर फिल्ममेकर करण जौहर का रिएक्शन आया है।

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर। माधवन, और अर्जुन रामपाल जैसे बड़े सितारे हैं। ये फिल्म 2025 की सबसे सफल फिल्मों में से एक बन गई है और अपनी दमदार कहानी और तकनीकी पहलुओं के लिए खूब चर्चा में है। देश के कई बड़े फिल्ममेकर्स ने इस मूवी की तारीफ की। अब इसमें करण जौहर का नाम भी शामिल हो गया है।

अनुपमा चोपड़ा की किताब 'डाइनिंग विद स्टार्स' के लॉन्च पर करण जौहर ने कहा, मैंने एक फिल्म (तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी) प्रोड्यूस की, और फिर 5 दिसंबर को धुरंधर रिलीज़ हुई, और मैं उसे देखकर हैरान रह गया। मुझे लगा कि एक फिल्ममेकर के तौर पर मेरा अपना काम उसके

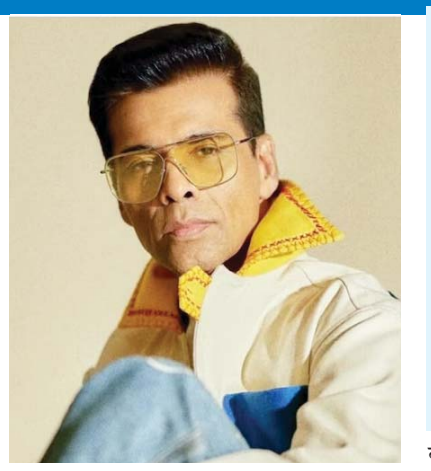

मुकाबले लिमिटेड है। बैकग्राउंड म्यूजिक के इस्तेमाल और कहानी कहने के तरीके से मैं बहुत इम्प्रेस हुआ।

करण जौहर ने कहा, मुझे लगा कि फिल्म यूनिक थी, और मैं सबकी राय की इज्जत करता हूं। धुरंधर के बारे में मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद आया, वह यह था कि डायरेक्टर सेल्फ-कॉन्शियस नहीं लग रहा था या ऐसा नहीं लग रहा था कि वह दिखावा करने की कोशिश कर रहा है। कहानी कहने का तरीका बहुत स्मूद था, और फ्रेम्स को बिना ज्यादा सोचे-समझे खूबसूरती से शूट किया गया था।

अंत में फिल्ममेकर ने कहा, धुरंधर देखने के बाद मुझे एक फिल्ममेकर के तौर पर अपनी काबिलियत पर सवाल उठाने पड़े, जो मेरे लिए हमेशा एक अच्छी बात है। मैंने साल की शुरुआत सैयारा को पसंद करते हुए की और खत्म धुरंधर को पसंद करते हुए किया।

कार्तिक आर्यन की फिल्म का बुरा हाल

करण जौहर का ये स्टेटमेंट ऐसे समय आया है, जब बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर की सुनामी चल रही है। दूसरी तरफ उनके ही धर्मा प्रोडक्शन में बनी फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी का बुरा हाल हुआ है। इस फिल्म की कमाई 5 दिनों में सिर्फ 23 करोड़ रुपये ही पाई है, जबकि 5 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म धुरंधर ने अपने 24वें दिन में 22 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया।

डिप्रेशन के बाद मोटापे पर आमिर खान की लाड़ली ने रखी राय

सुपरस्टार आमिर खान की बेटी आयरा खान काफी वोकल हैं। वह अक्सर कई मुद्दों पर अपनी बात रखती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने बॉडी इमेज को लेकर अपनी मुश्किलों के बारे में बात की है। अपने विचारों को शेयर करते हुए, उन्होंने माना कि इन भावनाओं का सामना करना डरावना है। आयरा ने एक वीडियो में बताया है कि उन्होंने अपने अंदर एक छोटा बदलाव देखा है जिसने उन्हें इस बारे में बात करने की प्रेरणा दी है।

आयरा ने बताया हां, मैं मोटी हूं। 2020 से मैं अनफिट होने और मोटापे के बीच झूल रही हूं। इसके बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। निश्चित रूप से ऐसी बहुत सी बातें हैं, जिन्हें मुझे अभी भी समझने की जरूरत है। मुझे लगता है कि कम से कम थोड़ा सा बदलाव हुआ है, इसलिए मैंने इसके बारे में बात करने का फैसला किया। हो सकता है कि मैं उतनी साफ न बोल पाऊं जितनी मैंने अपने डिप्रेशन के बारे में बात करते समय बोला था।

उन्होंने आगे कहा मोटापा मेरे रिश्ते, मेरे व्यवहार और हर चीज के बीच आ रहा है। मैं कहूंगी कि यह उतना ही परेशान कर रहा है जितना मेरा डिप्रेशन करता था। इसलिए मैं इस बारे में बात करना चाहती हूं। मैं यह समझने की कोशिश करना चाहती हूं कि मैं क्या सोचती हूं। मुझे उम्मीद है कि इससे मुझे मदद मिलेगी। आयरा खान ने पहले डिप्रेशन के साथ अपनी लंबी लड़ाई के

बारे में बात की थी। उन्होंने माना था कि जिस आरामदायक जिंदगी से वह आती हैं, उसकी वजह से उन्हें गिल्ट महसूस होता था।

मेट्रो बाजार

केंद्र ने दो जहाज निर्माण योजनाओं के लिए दिए निर्देश, 44,700 करोड़ से अधिक का निवेश

नई दिल्ली। देश के समुद्री भविष्य को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जहाज निर्माण से जुड़ी दो अहम योजनाओं के दिशा-निर्देश अधिसूचित कर दिए हैं। इन दोनों योजनाओं पर कुल मिलाकर ?44,700 करोड़ से अधिक खर्च किए जाएंगे। इसमें, शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम और शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम शामिल हैं। इनका मकसद देश की घरेलू जहाज निर्माण क्षमता को बढ़ाना और वैश्विक स्तर पर भारत को प्रतिस्पर्धी बनाना है।

जहाज निर्माण पर सीधी आर्थिक मदद- एसबीएफएएस योजना के तहत सरकार 24,736 करोड़ का कोष बनाएगी। इसके अंतर्गत जहाज बनाने पर उसकी श्रेणी के अनुसार 15 से 25 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता दी जाएगी। छोटे, बड़े और विशेष प्रकार के जहाजों के लिए अलग-अलग दरों पर सहायता तय की गई है। यह राशि चरणबद्ध तरीके से, तय माइलस्टोन को पूरा करने पर दी जाएगी। दूसरी योजना एसबीडीएस का बजट 19,989 करोड़ है। यह योजना भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे, तकनीक और कौशल विकास पर केंद्रित है। इन योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नेशनल शिपबिल्डिंग मिशन की स्थापना का प्रावधान किया गया है, जिससे योजनाओं में समन्वय और पारदर्शिता बनी रहे।

पीएम अर्थशास्त्रियों के साथ करेंगे प्री-बजट बैठक, टैरिफ -वैश्विक चुनौतियों पर नजर

नई दिल्ली। भारत के आगामी आम बजट 2026-27 की रूपरेखा और प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट से पहले यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय जटिल वैश्विक परिस्थितियों का सामना कर रही है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम और आयोग के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री इस संवाद के माध्यम से विकास दर को गति देने, राजकोषीय समेकन और रोजगार सृजन के लिए विशेषज्ञों से व्यावहारिक सुझाव मांगेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती और निर्यात व विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई की भूमिका बढ़ाना रह सकता है। इसके अलावे ग्रामीण मांग में सुधार और कृषि मूल्य श्रृंखला के आधुनिकीकरण पर भी चर्चा हो सकती है। चर्चा के दौरान पूंजीगत व्यय के जरिए दीर्घकालिक विकास की नींव रखने पर भी बातचीत हो सकती है। बजट 2026-27 ऐसे समय में आ रहा है जब वैश्विक भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका की ओर से भारतीय शिपमेंट पर लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी टैरिफ से उत्पन्न हुई है। आर्थिक विशेषज्ञों का तर्क है कि अमेरिका के इस एकतरफा कदम से भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से कपड़ा, आईटी और इंजीनियरिंग क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है।

केदारनाथ में 'सूखा दिसंबर'

रुद्रप्रयाग। दिसंबर माह को गुजरने को है, लेकिन अभी तक धाम में बर्फ नहीं गिरी है। पिछले वर्षों तक इन दिनों धाम में 5 फीट से अधिक तक बर्फ गिरी रहती थी, लेकिन इस बार धाम तो दूर पहाड़ियों पर भी बर्फ नहीं दिखाई दे रही है। धाम में दिसंबर माह में बर्फ गिरी ही नहीं है। हालांकि धाम में ठण्ड अधिक बढ़ गयी है और धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्य भी बंद होने लगे हैं और मजदूर वापस लौट रहे हैं। केदारनाथ धाम में ठण्ड से तालाब भी जम गए हैं तो बिना बर्फ के सूखी पहाड़ी दिखाई दे रही है।

न्यूज विंडो

पुतिन के घर पर हमला! भड़के ट्रंप बोले- मुझे यह पसंद नहीं आया

वॉशिंगटन। स-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशों के बीच एक बड़ा तनाव पैदा हो गया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने उत्तरी रूस (नोवगोरोड क्षेत्र) में स्थित राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर 91 लॉन्ग-रेंज ड्रोन्स से हमला करने की कोशिश की। रूस का दावा है कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन्स को मार गिराया और पुतिन सुरक्षित हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर पर गहरी नाराजगी जताई है। फ्लोरिडा में इजरायली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात से पहले ट्रंप ने बताया, 'राष्ट्रपति पुतिन ने खुद मुझे फोन कर इस हमले की जानकारी दी। मैं इससे बहुत नाराज हूं। किसी नेता के घर को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं है।' हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि 'यह संभव है कि यह हमला हुआ ही न हो, लेकिन हम इसकी सच्चाई का पता लगाएंगे। 'यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें 'रूसी झूठ' बताया है। जेलेंस्की का कहना है कि रूस यह ड्रामा इसलिए कर रहा है ताकि वह यूक्रेन के सरकारी भवनों पर बड़े हमले करने का बहाना बना सके और शांति वार्ता को पटरी से उतार सके।

सनी लियोनी के मथुरा कार्यक्रम का जोरदार विराध, रोक की मांग!

मथुरा। अभिनेत्री सनी लियोनी एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। नए साल से पहले मथुरा में होने वाले उनके कार्यक्रम को लेकर जोरदार विरोध शुरू हो गया है। धार्मिक नगरी मथुरा में सनी लियोनी की एंट्री पर रोक लगाने की मांग उठी है, वहीं आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की अपील भी की गई है। इस पूरे मामले ने अब सियासी और धार्मिक तूल पकड़ लिया है।जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की पवित्र नगरी मथुरा में नए साल के मौके पर सनी लियोनी का एक खास कार्यक्रम आयोजित किया जाना था। यह इवेंट होटल ललिता ग्राउंड और होटल दा ट्रक में प्रस्तावित था। जैसे ही इसकी जानकारी सामने आई, स्थानीय संतों और धार्मिक संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।मथुरा के साधु-संतों का कहना है कि यह भूमि ब्रजभूमि और श्रीकृष्ण की लीला स्थली है, जहां भजन-कीर्तन और पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। ऐसे में यहां इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है।

170 भेड़ों की रहस्यमयी मौत से हड़कंप, जांच के आदेश

लखनऊ। लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के आसपास करीब 170 भेड़ों की अचानक मौत से हड़कंप मच गया है। इस घटना के बाद प्रशासन के साथ-साथ आम लोगों और पशुपालकों में भी चिंता बढ़ गई है। कुछ दिन पहले इसी इलाके में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसके बाद बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत सामने आई। इतनी बड़ी संख्या में जानवरों की मौत को लेकर जहर दिए जाने या गंभीर लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।इस मामले में मड़ियांव थाने में लिखित शिकायत दी गई है। 'आसरा द हेल्पिंग हैंड्स ट्रस्ट' नाम की एनजीओ की संस्थापक चारु खरे ने पुलिस को बताया कि राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल के आसपास चरने वाली करीब 170 भेड़ों की अचानक मौत हो गई। चारु खरे ने आशंका जताई है कि भेड़ों ने या तो किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया या फिर किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर जहर दिया हो सकता है।चारु खरे ने इस घटना को बेहद गंभीर और संवेदनशील बताया। उन्होंने मांग की कि सभी मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कराया जाए, ताकि मौत के असली कारण सामने आ सकें। उन्होंने कहा कि अगर जांच में लापरवाही या जहर देने की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

कूटनीतिक हलकों में उनकी छवि एक 'भारत-विरोधी' नेता की रही

'शर्मीली हाउसवाइफ' से पहली महिला पीएम तक का सफर

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री 'आयरन लेडी' बेगम खालिदा जिया के निधन हो गया। उनकी राजनीतिक विरासत अब नई पीढ़ी के हाथों में है। उनके पति, पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की हत्या के बाद खालिदा ने पार्टी को संभाला था। अब उनके बड़े बेटे तारिक रहमान, जो 17 साल के निर्वासन के बाद 25 दिसंबर 2025 को स्वदेश लौटे हैं बीएनपी की कमान संभालेंगे। उनके छोटे बेटे अराफात रहमान 'कोको' का पहले ही निधन हो चुका है। तारिक की बेटी जाइमा रहमान को भी भविष्य के नेता के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जिया का झुकाव भारत की तुलना में पाकिस्तान की ओर अधिक माना जाता रहा है। कूटनीतिक हलकों में उनकी छवि एक 'भारत-विरोधी' नेता की रही। उनकी प्रतिद्वंद्वी शेख हसीना को भारत का करीबी मित्र माना जाता है, वहीं खालिदा जिया के शासनकाल में भारत-बांग्लादेश रिश्तों में अक्सर तनाव और खटास रही।

पाक आर्मी में कैप्टन से हुई शादी

खालिदा का जन्म 1945 में जलपाईगुड़ी (अब भारत के पश्चिम बंगाल) में हुआ था। उन्होंने शुरू में दिनाजपुर मिशनरी स्कूल में पढ़ाई की और बाद में 1960 में दिनाजपुर गर्ल्स स्कूल से मैट्रिक किया। खालिदा के पिता इस्कंदर मजूमदार बिजनेसमैन थे और मां तैयबा मजूमदार हाउसवाइफ थीं। 1960 में उनकी शादी जिया उर रहमान से हुई। वह उस समय पाकिस्तान आर्मी में कैप्टन थे और उन्होंने 1965 तक दिनाजपुर के सुरेंद्रनाथ कॉलेज में अपनी पढ़ाई जारी रखी, जब वह अपने पति के साथ रहने के लिए पश्चिमी पाकिस्तान चली गईं।

शुरू में नहीं थी राजनीति में सक्रिय

जब 1971 में मुक्ति संग्राम शुरू हुआ, तो जिया उर रहमान ने पाकिस्तानी आर्मी से बगावत किया और जंग में हिस्सा लिया। इस वक्त तक खालिदा राजनीतिक रूप से सक्रिय नहीं थीं। जिया उर रहमान कहा करते थे कि वह एक शर्मिली हाउसवाइफ हैं जो अपने दोनों बच्चों के लिए समर्पित हैं। लेकिन 30 मई, 1981 को जियाउर रहमान की हत्या के बाद, BNP एक गंभीर संकट में फंस गई। इस मुश्किल समय में, खालिदा जिया ने राजनीति में पैर रखा। वह पार्टी में शामिल हुईं और 12 जनवरी, 1984 को इसकी वाइस-प्रेसिडेंट बनीं। उन्हें 10 मई, 1984 को BNP का चेयरपर्सन चुना गया। खालिदा जिया बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं हैं। 20 मार्च 1991 को उन्होंने पहली बार पीएम पद की शपथ ली। इसके बाद 1996 में वह दोबारा प्रधानमंत्री बनीं। हालांकि इस चुनाव में कई पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया था। इस दौरान ही उन्होंने आपात स्थिति में निष्पक्ष केयर टेकर सरकार होने का प्रावधान किया था। इसके लिए उन्होंने संविधान में संशोधन किया था। हालांकि केयर टेकर सरकार बनने के बाद होने वाले मध्याविधि चुनाव में बीएनपी पार्टी को अवामी लीग के हाथों करारी हार मिली। हालांकि साल 2001 में हुए चुनाव में उन्हें दो तिहाई बहुमत से जीत मिली थी।

हरियाणा-राजस्थान में बारिश मप्र के कई जिलों में कोल्ड वेव

भोपाल/ नई दिल्ली। पूरे उत्तर भारत समेत देशभर में ठंड का प्रकोप जारी है। एक तरफ जहां पहाड़ों पर बर्फबारी का दौर जारी है वहीं मैदानी इलाकों में ठंड और कोहरे की चपेट में है। उत्तर भारत में लगातार शेल्लाहर का कहर जारी है। इससे मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड, और हिमाचल प्रदेश में तापमान में तेज गिरावट आई है। भोपाल में रात का तापमान 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि कई जिलों में कोल्ड वेव का असर है।

नए साल पर कई राज्यों में बारिश की संभावना

मध्य प्रदेश में जेट स्ट्रीम की रफ्तार 287 kmph पहुंच गई है। इससे राज्य के न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई। भोपाल में रात का तापमान 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। कुछ जिलों में कोल्ड वेव का असर अभी भी जारी है। कई जिलों में सुबह घना कोहरा रहा। नये साल से पहले राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की पूरी संभावना है। इससे राजस्थान के कई जिलों में बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर मंगलवार को भी प्रदूषण और घने कोहरे की गिरफ्त में रहा। पूरे शहर पर सुबह से ही धुंध की मोटी चादर छाई रही और एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। दिल्ली का औसत AQI 388 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। वहीं कोहरे की वजह से सोमवार को भी दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली 4 फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट किया गया था। जयपुर-चंडीगढ़ की फ्लाइट रद्द करनी पड़ी। इसके साथ सोमवार को इंडिगो की कुल 118 फ्लाइट्स को रद किया गया।

युद्ध की आहट: दूसरे दिन भी जारी रहा चीन का सैन्य अभ्यास, बड़ी संख्या में फ्लाइट्स रद्द

हांगकांग, एजेंसी

भारत और चीन समेत दुनिया के कई देश इन दिनों भीषण सर्दी के दौर से गुजर रहे हैं। इस सर्द मौसम में भी चीन ने तापमान बढ़ा दिया है और एक युद्ध की आशंका से दुनिया को भर दिया है। चीन ने अपनी तीनों सेनाओं थल, जल और वायु को ताइवान के सीमांत इलाकों के पास बड़े पैमाने पर तैनात किया है। इसके अलावा ताइवान के एकदम बॉर्डर पर युद्धाभ्यास किए जा रहे हैं। इसमें वायुसेना भी शामिल है और इसके चलते आसपास के आसमान से विमानों के गुजरने से भी परहेज किया जा रहा है। ताइवान की एयर अथॉरिटीज का कहना है कि चीनी हरकतों के चलते बड़ी संख्या में फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ रहा है। इस वजह से दुनिया भर के करीब एक लाख यात्रियों पर असर पड़ेगा।

पिछले दिनों अमेरिका की ओर से ताइवान को 11 अरब डॉलर तक के हथियार देने के लिए मंजूरी दी गई थी। इससे चीन भड़का हुआ है और वह ताइवान को वन चाइना प्लान के तहत अपना हिस्सा मानता है। ऐसी स्थिति में उसने अमेरिका के फैसले पर ऐतराज जताया है। यही नहीं पिछले दिनों जापान के प्रधानमंत्री सानाये ताकाची ने कहा था कि यदि चीन ने ताइवान पर कब्जा करने का प्रयास किया तो हमारी सेना भी जंग में शामिल होगी।

इस्राइली पीएम बोले- इनके लिए परंपरा तोड़ रहे

ट्रंप को इस्राइल शांति पुरस्कार से किया जाएगा सम्मानित

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस्राइल के सर्वोच्च नागरिक सम्मान इस्राइल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लोरिडा में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये एलान किया। नेतन्याहू ने एलान करते हुए कहा कि इस्राइली सरकार ने फैसला किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस्राइल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाए। 80 साल में यह पुरस्कार किसी भी गैर इस्राइली नागरिक को नहीं दिया गया है और पहली बार है कि शांति श्रेणी में यह पुरस्कार दिया जाएगा।

'हम परंपरा तोड़ रहे': अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी इस एलान पर खुशी जताई और कहा कि यह सम्मान उनके लिए अनापेक्षित था। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने लोगों को चौंकाने के लिए कई परंपराएं तोड़ी हैं, इसलिए हमने भी तय किया है कि हम भी एक परंपरा तोड़ेंगे और नई बनाएंगे। वो ये है कि इस्राइल सम्मान, जो 80 साल से किसी गैर इस्राइली नागरिक को नहीं दिया गया है, उससे राष्ट्रपति ट्रंप को सम्मानित किया जाएगा। भोजन के दौरान हमारे शिक्षा मंत्री ने इसका एलान किया था और यह पुरस्कार राष्ट्रपति ट्रंप के इस्राइली और यहूदी लोगों की भलाई में दिए गए योगदान के लिए दिया जाएगा।'

खतंत्रता दिवस समारोह में किया जाएगा सम्मानित

इस्राइल पुरस्कार, इस्राइल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो पारंपरिक रूप से विज्ञान, कला और मानविकी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने के लिए इस्राइली नागरिकों को दिया जाता है। शांति श्रेणी में यह पुरस्कार पहले कभी नहीं दिया गया था। जुलाई 2025 में, इस्राइल ने पुरस्कार नियमों में संशोधन किया ताकि यह सम्मान किसी विदेशी नागरिक को भी दिया जा सके, जिससे ट्रंप के चयन का रास्ता साफ हो गया।

मेट्रो एंकर

वंदे भारत, शताब्दी और राजधानी सहित कई ट्रेनें चल रही है लेट, यात्री हो रहे परेशान

कोहरे की मार: रेलवे अलर्ट मोड में, ट्रेनों की लाइव मॉनिटरिंग शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। सड़कों पर दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है, वहीं रेल सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। घने कोहरे के कारण वंदे भारत, शताब्दी और राजधानी सहित कई ट्रेनें तय समय से देर से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए रेलवे की ओर से कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। कोहरे की वजह से लेट रही ट्रेनों को लेकर उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि वे ट्रेनों की स्थिति पर रियल-टाइम नजर रखें और यात्रियों से जुड़ी दिक्कतों का तुरंत समाधान करें। इसके अलावा दिल्ली, लखनऊ, मुरादाबाद, वाराणसी और प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधकों को भी ट्रेनों की लगातार निगरानी करने और जरूरी व्यवस्थाएं पुख्ता करने के आदेश दिए गए हैं।

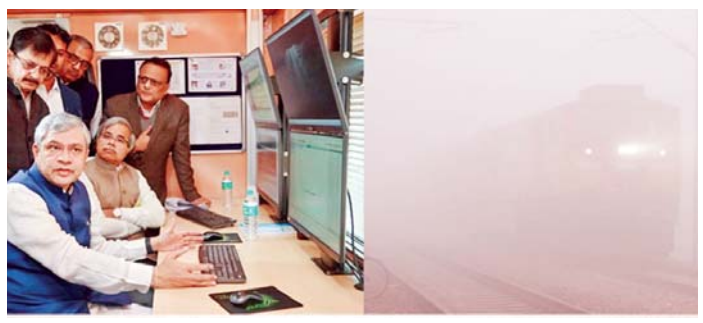

प्रीमियम ट्रेनों पर भी कोहरे का असर

घने कोहरे के चलते वंदे भारत एक्सप्रेस और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनें तय समय पर नहीं चल पा रही हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए रेलवे ने इन ट्रेनों के लिए अतिरिक्त (स्पेयर) रेक तैयार करने का फैसला लिया है, ताकि कम से कम सेवाओं की शुरुआत समय पर सुनिश्चित की जा सके।

घने कोहरे से फ्लाइट्स की रफ्तार पर ब्रेक, 118 उड़ानें रद्द, कई को किया डायवर्ट

देशभर में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के बीच कोहरे ने भी लोगों की मुश्किल बढ़ा दी है। आज भी दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे यायायात प्रभावित हुआ है। दिल्ली एअरपोर्ट पर सुबह से अभी तक 60 आने वाली फ्लाइट्स, 58 जाने वाली फ्लाइट्स कैंसिल और 16 के रास्ते बदलने की खबर है। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने सुबह 7 बजे पैसेंजर एडवाइजरी जारी की, जिसमें कहा गया कि शहर में पहले घना कोहरा छाया हुआ था, लेकिन विजिबिलिटी में सुधार के बाद फ्लाइट ऑपरेशन आसानी से चल रहे हैं।एयरपोर्ट ने यात्रियों को भरोसा दिलाया कि यात्रियों की मदद करने और जरूरी सपोर्ट देने के लिए सभी टर्मिनल पर ऑन-ग्राउंड अधिकारी मौजूद हैं। उधर, सिविल एविएशन मंत्रालय की ओर से कहा गया कि उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे और कम विजिबिलिटी की वजह से फ्लाइट्स पर असर पड़ रहा है, इसलिए यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे फ्लाइट्स का स्टेटस पहले से चेक करें, अपनी एअरलाइन के संपर्क में रहें और यात्रा के लिए ज्यादा समय दें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564